Kamal.Sandesh
kamalsandesh.org

कमल संदेश

वर्ष-19, अंक-03 01-15 फरवरी, 2024 (पाक्षिक) ₹20

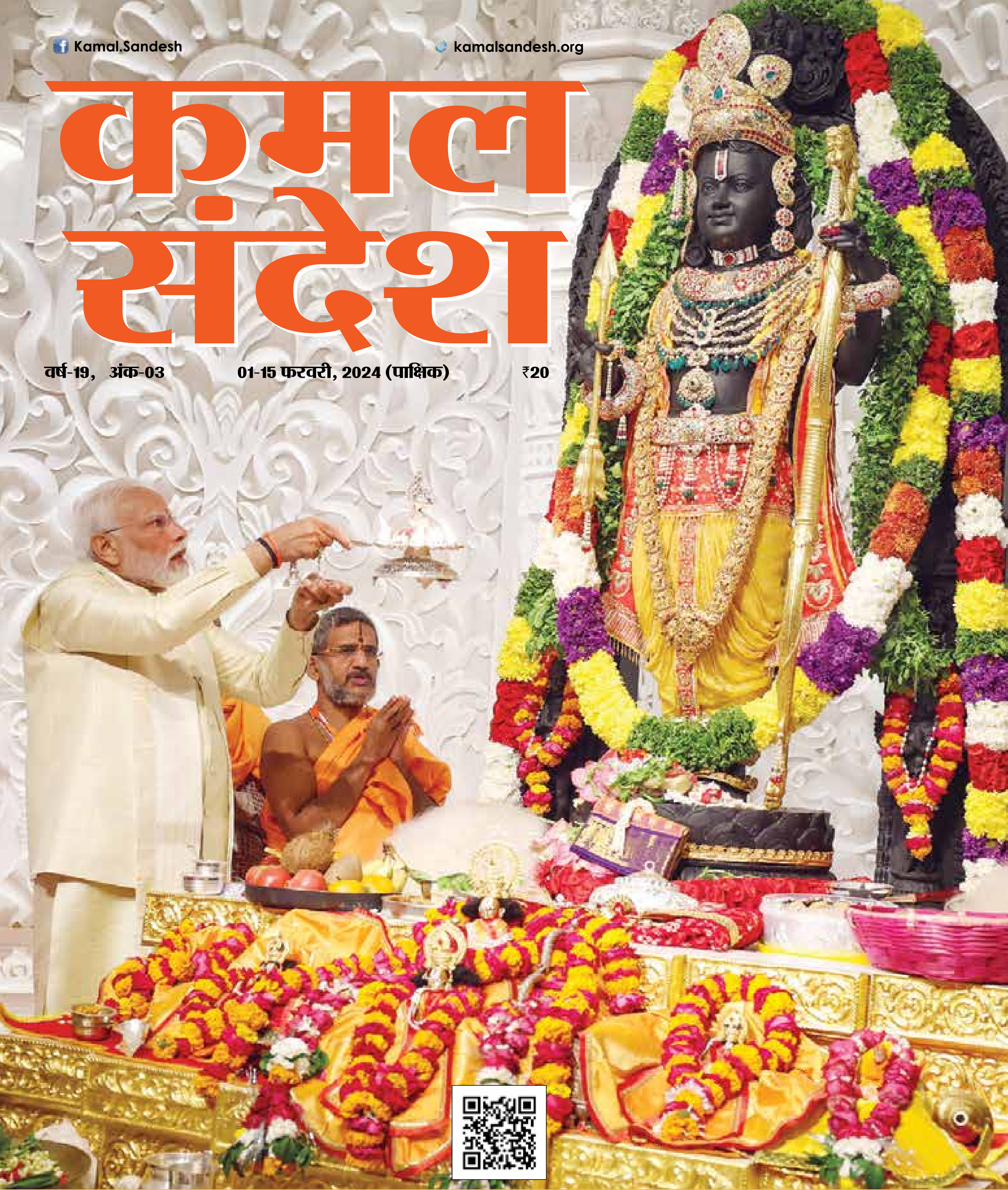

‘सदियों के अभूतपूर्व धैर्य, अनगिनत बलिदान, त्याग और तपस्या के बाद हमारे प्रभु राम आ गए हैं’

नई दिल्ली में 15 जनवरी, 2024 को दीवार लेखन अभियान का शुभारंभ करते भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा

विश्वास नगर (पूर्वी दिल्ली) के पशुपतिनाथ मंदिर में 18 जनवरी, 2024 को 'स्वच्छ तीर्थ अभियान' के दौरान 'सफाई' करते भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा

नई दिल्ली में 13 जनवरी, 2024 को नव मतदाताओं तक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए भाजयुमो 'नमो नवमतदाता पंजीकरण पोर्टल' के शुभारंभ अवसर पर कार्यक्रम को संबोधित करते भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा

तेजपुर (असम) के महाभैरव मंदिर में 19 जनवरी, 2024 को 'स्वच्छ तीर्थ अभियान' के दौरान 'सफाई' करते केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह

नई दिल्ली में 24 जनवरी, 2024 को जननायक कर्पूरी ठाकुर जी की जन्मशताब्दी के अवसर पर उनके जीवन पर आधारित प्रदर्शनी को देखते केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह

नई दिल्ली में 22 जनवरी, 2024 को अयोध्या में श्री राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा होने के शुभ अवसर पर अपने परिवार के साथ अपने घर पर 'राम ज्योति' प्रज्वलित करते केंद्रीय मंत्री श्री राजनाथ सिंह

कमल संदेश

पाक्षिक पत्रिका

संपादक
डॉ. शिव शक्ति नाथ बक्सी

सह संपादक
संजीव कुमार सिन्हा
राम नयन सिंह

कला संपादक
विकास सैनी
भोला राय

डिजिटल मीडिया
राजीव कुमार
विपुल शर्मा

सदस्यता एवं वितरण
सतीश कुमार

ई-मेल
mail.kamalsandesh@gmail.com
mail@kamalsandesh.com
फोन: 011-23381428, फैक्स: 011-23387887
वेबसाइटः www.kamalsandesh.org

विषय-सूची

आज हमारे राम आ गए हैंः नरेन्द्र मोदी

06

एकत्र जनसमूह को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि आज हमारे राम आ गए हैं! सदियों की प्रतीक्षा के बाद हमारे राम आ गए हैं। श्री मोदी ने इस अवसर पर नागरिकों को बधाई देते हुए कहा, "सदियों के धैर्य, अनगिनत बलिदान, त्याग और तपस्या के बाद हमारे भगवान राम यहां हैं।" प्रधानमंत्री ने...

16 प्रधानमंत्री मोदी ने 'प्राण प्रतिष्ठा' समारोह के बाद जलाई 'राम ज्योति'

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 22 जनवरी, 2024 की शाम को अयोध्या में नवनिर्मित श्रीराम मंदिर...

18 यह समय पूर्वोत्तर की जनता के लिए अवसरों से भरा समय है : जगत प्रकाश नड्डा

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 10 जनवरी, 2024...

19 प्रधानमंत्री मोदी के सशक्त नेतृत्व में पूर्वोत्तर के सभी बड़े विवादों का समाधान किया जा चुका हैः जगत प्रकाश नड्डा

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा 11 जनवरी, 2024 को अपने एक दिवसीय प्रवास...

33 प्रधानमंत्री ने नवी मुंबई में अटल बिहारी वाजपेयी सेवरी-न्हावा शेवा अटल सेतु का किया उद्घाटन

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने नवी मुंबई में 12 जनवरी को अटल बिहारी वाजपेयी...

लेख

जननायक कर्पूरी ठाकुर जी को श्रद्धांजलि / **नरेन्द्र मोदी** 26

अन्य

राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा से पहले राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने प्रधानमंत्री को लिखा पत्र 10

आज अयोध्या में रामलला के साथ भारत का 'स्व' लौटकर आया है : डॉ. मोहन भागवत 13

अयोध्या में श्रीरामलला प्राण प्रतिष्ठा समारोह के दौरान भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष ने झंडेवालान मंदिर में की पूजा-अर्चना 14

पूरा राष्ट्र राममय है : योगी आदित्यनाथ 14

पूरे देश में 'प्राण प्रतिष्ठा' को लेकर भव्य आयोजन 17

पीएम-जनमन के अंतर्गत प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के 1 लाख लाभार्थियों को पहली किस्त जारी 21

पिछले 9 वर्षों के दौरान 24.82 करोड़ भारतीय विविध प्रकार की गरीबी से बाहर निकले 22

आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत बने 30 करोड़ आयुष्मान कार्ड 24

बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री कर्पूरी ठाकुर को मिला 'भारत रत्न' सम्मान 28

मोदी स्टोरी 29

कमल पुष्प 30

प्रधानमंत्री ने विकसित भारत संकल्प यात्रा के लाभार्थियों से की बातचीत 31

प्रकाशक एवं मुद्रक: डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास के लिए विष्णु मित्तल द्वारा मुद्रित एवं प्रकाशित, एच.टी. मीडिया लिमिटेड, प्लॉट नं.-8, उद्योग विहार, ग्रेटर नोएडा (उ.प्र.)-201306 से मुद्रित एवं डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास, पी.पी.-66, सुब्रमण्यम भारती मार्ग, नई दिल्ली-110003 से प्रकाशित। संपादक- डॉ. शिव शक्ति नाथ बक्सी

सोशल मीडिया से

X

नरेन्द्र मोदी

यह हमारी सरकार की साफ नीयत और देश के प्रति निष्ठा है कि एक तरफ जहां गरीबों का जीवन बेहतर बनाने के लिए कई महा-अभियान हैं, तो दूसरी तरफ हम विकास की अनेक महा-परियोजनाएं भी चला रहे हैं।

(12 जनवरी, 2024)

जगत प्रकाश नड्डा

हमारे युवा बहुत सौभाग्यशाली हैं कि वे ऐसे भारत में रह रहे हैं जो आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में सक्षम तरीके से खड़ा है और 'विकसित राष्ट्र' बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

(13 जनवरी, 2024)

अमित शाह

आज जब ड्रोन दीदी खेतों में ड्रोन से फर्टिलाइजर का छिड़काव करती हैं तो लोगों में विश्वास जगता है कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था आधुनिकता से जुड़ रही है।

(17 जनवरी, 2024)

राजनाथ सिंह

'भारतीय थल सेना दिवस' की सभी बहादुर सैनिकों एवं उनके परिवारजनों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। हर भारतवासी सेना के साहस, शौर्य और पराक्रम से न केवल परिचित है, बल्कि उनके प्रति कृतज्ञता का भाव भी रखता है। भारतीय सेना ने सदैव देश रक्षा की है और इसके लिए अनगिनत बलिदान भी दिये हैं। सभी देशवासियों की ओर से भारतीय सेना को मेरा नमन एवं अभिनंदन!

(15 जनवरी, 2024)

बी.एल. संतोष

मद्रास उच्च न्यायालय एवं सर्वोच्च न्यायालय ने तमिलनाडु में इंडी गठबंधन और उसकी सहयोगी डीएमके सरकार को सबक सिखाया है। असम में एक मंदिर में प्रवेश को लेकर नाटक करने के बजाय उन्हें अपने हिंदू विरोधी गठबंधन सहयोगी से तमिलनाडु के करोड़ों राम भक्तों की भक्ति का सम्मान करने के लिए कहना होगा।

(22 जनवरी, 2024)

निर्मला सीतारमण

2005-06 के बाद से भारत में बहुआयामी गरीबी में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई है, जो 2013-14 के 29.17 प्रतिशत से घटकर 2022-23 में 11.28 प्रतिशत हो गई है, इसमें 17.89 प्रतिशत की कमी आयी है। परिणामस्वरूप पिछले 9 वर्षों में 24.82 करोड़ लोग बहुआयामी गरीबी से बाहर आये हैं।

(15 जनवरी, 2024)

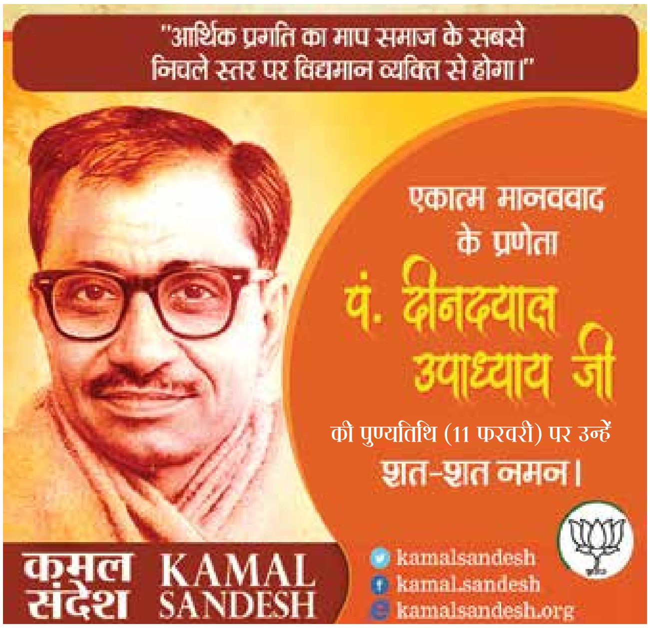

संपादकीय

नव्य, भव्य, दिव्य मंदिर में पधारे हमारे प्रभु श्रीराम

अयोध्या धाम में जहां भगवान श्रीराम के भव्य मंदिर में प्राण-प्रतिष्ठा का उत्सव पूरे देश ने पूर्ण उत्साह के साथ मनाया, वहीं इस ऐतिहासिक अवसर का आनंद पूरे विश्व के करोड़ों रामभक्तों के हृदय को आह्लादित कर रहा है। इस गौरवशाली क्षण का सदियों के इंतजार की समाप्ति करोड़ों हृदयों के भावनात्मक उद्‌गार के रूप में प्रकट हुआ। आध्यात्मिकता एवं मानवकल्याण, भावुकता एवं उत्साह अभूतपूर्व था। 'प्राण-प्रतिष्ठा' अनुष्ठान के तुरंत बाद प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने अपने उद्बोधन में करोड़ों लोगों की भावनाओं को बहुत ही सुंदर रूप में व्यक्त किया। सदियों का इंतजार जब पूर्ण होता है तब उससे निकलने वाली ऊर्जा उच्च लक्ष्यों की राह आसान कर देती है। 'प्राण-प्रतिष्ठा' का पूरे देश ने न केवल साक्षात्कार किया, बल्कि देश के कोने-कोने में लोगों ने इस पवित्र अवसर पर पूजा, हवन एवं भंडारा करके पूरे श्रद्धा से इसमें भागीदारी की। जन-जन ने इस अवसर को एक राष्ट्रीय पर्व के रूप में मनाया। प्रधानमंत्री जी के आह्वान पर एक सप्ताह पूर्व से ही देश के सभी मंदिरों में 'स्वच्छ तीर्थ अभियान' के अंतर्गत स्वच्छता अभियान चलाया गया तथा संध्या में हर घर 'राम ज्योति' के प्रकाश में दीपावली मनाई गई। भगवान श्रीराम मंदिर की भव्यता का दर्शन पूरा विश्व कर रहा था तथा 'प्राण-प्रतिष्ठित' भगवान श्रीरामलला की प्रतिमा की आभा से हर भक्त का हृदय प्रकाशमान था। हर गांव, हर नगर, हर महानगर- पूरा देश एक दिव्य अनुभूति से आप्लावित हो रहा था कि रामलला अब आ गए हैं, यह स्वप्न अब साकार हो चुका है। भगवान रामलला आ गए हैं, अपने भव्य मंदिर में विराजमान हैं और अपनी आभा-मंडल से पूरी मानवता को गौरवान्वित कर रहे हैं। एक सदी से दूसरी सदी और कई सदियों तक का संजोया गया यह स्वप्न, उन संघर्षों से गुजरता है, जो विश्व में अपने आप में अनूठा है, भगवान श्रीराम की कृपा से अब साकार हुआ है।

यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है कि कांग्रेस एवं इसके सहयोगी दल अयोध्या में भगवान श्रीरामलला की 'प्राण-प्रतिष्ठा' अनुष्ठान के सांस्कृतिक महत्व को नहीं समझ पाए। जहां पूरा देश इस पावन अवसर को एक त्योहार की भांति एकजुट होकर मना रहा था, भगवान श्रीराम के प्रति श्रद्धावनत हो उत्सव मना रहा था, कांग्रेस एवं इसके सहयोगी दल अपने सिद्धांतहीन राजनीति के कारण दूर रहे। कांग्रेस, जिसके आंखों पर वोट-बैंक की काली पट्टी बंधी हुई है, कभी भी किसी राष्ट्रीय विषय पर जनता के साथ खड़ी नहीं दिखती। इतना ही नहीं, किसी भी राष्ट्रीय महत्व का विषय, जिससे देश का गौरव एवं मान-सम्मान बढ़ता हो, उन पर कांग्रेस केवल बाधा उत्पन्न करने का शर्मनाक कार्य करती है। इसने न केवल श्रीराम मंदिर आंदोलन का विरोध किया, उसके रास्ते में रोड़े अटकाए बल्कि इतना गिरे कि भगवान राम के अस्तित्व पर ही प्रश्नचिह्न खड़े कर दिए। आज भी कांग्रेस इस अफसोस में मरी जा रही है कि वह 'रामसेतु' को नहीं तोड़ पाई और अब अयोध्या में भव्य श्रीराम मंदिर के निर्माण की सच्चाई को स्वीकार नहीं कर पा रही है। अब जबकि लोग कांग्रेस एवं इसके सहयोगियों की अवसरवादी वोट-बैंक राजनीति को देख रहे हैं, इसमें कोई संदेह नहीं कि वे कभी इन्हें माफ नहीं करेंगे।

> **आज जब प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के करिश्माई एवं सुदृढ़ नेतृत्व में सदियों का संघर्ष अपनी परिणति को प्राप्त हो रहा है, उनके द्वारा 'प्राण-प्रतिष्ठा' का अनुष्ठान पूरे देश को भगवान श्रीराम के आशीर्वाद से एकजुट कर रहा है**

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने ठीक ही कहा है कि 22 जनवरी, 2024 कैलेंडर में केवल एक दिन नहीं है बल्कि 'नए कालचक्र' के उद्भव का दिन है। यह सच है कि इस दिन से पूरा देश एक नई ऊर्जा, आत्मविश्वास एवं भविष्य के लिए एक नई दिशा प्राप्त कर रहा है। जहां भगवान रामलला भारतीय सभ्यता के गौरव को दर्शाते हैं, अयोध्या से निकलने वाली ऊर्जा हर हृदय की धड़कन से होती हुई 'विकसित भारत' के क्षितिजों का निर्माण कर रही है। आज जब प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के करिश्माई एवं सुदृढ़ नेतृत्व में सदियों का संघर्ष अपनी परिणति को प्राप्त हो रहा है, उनके द्वारा 'प्राण-प्रतिष्ठा' का अनुष्ठान पूरे देश को भगवान श्रीराम के आशीर्वाद से एकजुट कर रहा है। अब जब भारत नए 'कालचक्र' के उद्भव के साथ अपनी नई यात्रा पर चल चुका है, अगले एक हजार वर्षों के लिए 'रामराज्य' की स्थापना का समय आ गया है। ■

shivshaktibakshi@kamalsandesh.org

अयोध्या में श्री रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के ऐतिहासिक और प्रेरणादायी संबोधन सुनने के लिए **स्कैन** करें

प्रधानमंत्री ने अयोध्या में नवनिर्मित श्री राम जन्मभूमि मंदिर में श्री रामलला के प्राण प्रतिष्ठा अनुष्ठान में भाग लिया

आज हमारे राम आ गए हैं: नरेन्द्र मोदी

सदियों के संघर्ष, असंख्य बलिदान, त्याग व तपस्या के बाद करोड़ों लोगों के आराध्य देव मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्री राम; उत्तर प्रदेश स्थित आध्यात्मिक नगरी अयोध्या के नव्य, भव्य, दिव्य मंदिर में 22 जनवरी, 2024 को पवित्र तिथि को पधारे। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने श्री रामलला के ऐतिहासिक प्राण प्रतिष्ठा के दिव्य अनुष्ठान में भाग लिया। पारंपरिक परिधान पहने श्री मोदी नवनिर्मित राम मंदिर के मुख्य द्वार से अंदर तक पैदल चलकर कार्यक्रम स्थल पहुंचे और गर्भगृह में प्रवेश किया। इस दौरान प्रधानमंत्री अपने हाथ में लाल रंग के कपड़े में लिपटा हुआ चांदी का छत्र भी लेकर आए। गर्भगृह में श्री मोदी ने पंडितों के मंत्रोच्चारण के बीच अनुष्ठान शुरू किया। उन्होंने प्राण प्रतिष्ठा अनुष्ठान के लिए 'संकल्प' लिया। मध्यान्ह में साढ़े बारह बजे के अभिजीत मुहूर्त में श्री रामलला के नवीन विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा की गयी। इस दौरान हेलीकॉप्टरों ने नवनिर्मित मंदिर पर पुष्प वर्षा की। श्री राम मंदिर का परिसर 'जय श्री राम' के नारों, राम मंत्रों और भजनों से गूंज उठा। मंदिर के बाहर लोक कलाकारों ने अपनी मनोरम प्रस्तुति दी। साथ ही, पूरी अयोध्या राम रस व उत्साह में डूबी हुई थी।

मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा अनुष्ठान संपन्न होने के बाद प्रधानमंत्री श्री मोदी ने विशिष्ट आमंत्रित महानुभावों को संबोधित किया और कहा कि श्री राम लला की प्राण प्रतिष्ठा न केवल लंबे संघर्ष के बाद विजय का क्षण है, बल्कि विनम्रता का भी क्षण है। यही नहीं, श्री मोदी ने भव्य श्री राम मंदिर के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले श्रमजीवियों से बातचीत की और उन पर पुष्प वर्षा की।

इस समारोह के दौरान प्रधानमंत्री के साथ उत्तर प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक श्री मोहन भागवत एवं श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अध्यक्ष श्री नृत्य गोपाल दास उपस्थित थे। हजारों संत, अतिथि एवं विशिष्ट जन भी मंदिर के प्रांगण में उपस्थित रहे। प्राण प्रतिष्ठा समारोह में देश के सभी प्रमुख आध्यात्मिक और धार्मिक संप्रदायों के प्रतिनिधियों और विभिन्न आदिवासी समुदायों के प्रतिनिधियों सहित जीवन के सभी क्षेत्रों के लोगों ने भागीदारी की

एकत्र जनसमूह को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि आज हमारे राम आ गए हैं! सदियों की प्रतीक्षा के बाद हमारे राम आ गए हैं। श्री मोदी ने इस अवसर पर नागरिकों को बधाई देते हुए कहा, "सदियों के धैर्य, अनगिनत बलिदान, त्याग और तपस्या के बाद हमारे भगवान राम यहां हैं।" प्रधानमंत्री ने कहा कि 'गर्भ गृह' के अंदर ईश्वरीय चेतना का अनुभव शब्दों में नहीं किया जा सकता है और उनका शरीर ऊर्जा से स्पंदित है और मन प्राण प्रतिष्ठा के क्षण के लिए समर्पित है।

"हमारे रामलला अब तंबू में नहीं रहेंगे। यह दिव्य मंदिर अब उनका घर होगा", प्रधानमंत्री ने विश्वास और श्रद्धा व्यक्त करते हुए कहा कि आज की घटनाओं को देश और दुनिया भर के राम भक्तों द्वारा अनुभव किया जा सकता है। श्री मोदी ने कहा, "यह क्षण अलौकिक और पवित्र है, वातावरण, पर्यावरण और ऊर्जा हम पर भगवान राम के आशीर्वाद का प्रतीक है।" उन्होंने रेखांकित किया कि 22 जनवरी की सुबह का सूरज अपने साथ एक नई आभा लेकर आया है।

एक नए 'काल चक्र' का उद्गम

श्री मोदी ने इस बात पर जोर देते हुए कहा कि 22 जनवरी, 2024 केवल कैलेंडर की एक तारीख नहीं है, यह एक नए 'काल चक्र' का उद्गम है।" राम मंदिर के भूमि पूजन के बाद से प्रतिदिन पूरे देश में उमंग और उत्साह बढ़ता ही जा रहा था। निर्माण कार्य देख देशवासियों में हर दिन एक नया विश्वास पैदा हो रहा था और विकास कार्यों की प्रगति से नागरिकों में नई ऊर्जा का संचार हुआ। आज हमें सदियों के उस धैर्य की धरोहर मिली है, आज हमें श्रीराम का मंदिर मिला है।

प्रधानमंत्री ने कहा, "आज हमें सदियों के धैर्य की विरासत मिली है, आज हमें श्री राम का मंदिर मिला है।" उन्होंने जोर देकर कहा कि

भव्य श्री राम जन्मभूमि मंदिर की मुख्य विशेषताएं

- रामलला के रूप में प्रभु श्री राम की मूर्ति 51 इंच लंबी है। कमल के पुष्प पर विराजित यह विग्रह श्याम वर्ण का है।
- यह मनमोहक मूर्ति कर्नाटक के सुप्रसिद्ध मूर्तिकार श्री अरुण योगीराज ने बनाई है।
- भव्य श्री राम जन्मभूमि मंदिर का निर्माण पारंपरिक नागर शैली में किया गया है। इसकी लंबाई (पूर्व-पश्चिम) 380 फीट है; चौड़ाई 250 फीट और ऊंचाई 161 फीट है और यह कुल 392 स्तंभों और 44 दरवाजों द्वारा समर्थित है।
- मंदिर के स्तंभों और दीवारों पर हिंदू देवी-देवताओं और देवियों की मूर्तियों का गूढ़ चित्रण है।
- भूतल पर मुख्य गर्भगृह में भगवान श्री राम के बाल स्वरूप (श्री रामलला की मूर्ति) को रखा गया है।
- मंदिर का मुख्य प्रवेश द्वार पूर्वी दिशा में स्थित है, जहां सिंह द्वार के माध्यम से 32 सीढ़ियां चढ़कर पहुंचा जा सकता है।

मंदिर में कुल पांच मंडप

- मंदिर में कुल पांच मंडप (हॉल) हैं— नृत्य मंडप, रंग मंडप, सभा मंडप, प्रार्थना मंडप और कीर्तन मंडप। मंदिर के पास एक ऐतिहासिक कुआं (सीता कूप) है, जो प्राचीन काल का है।
- मंदिर परिसर के दक्षिण-पश्चिमी भाग में, कुबेर टीला में, भगवान शिव के प्राचीन मंदिर का जीर्णोद्धार किया गया है, साथ ही जटायु की एक मूर्ति भी स्थापित की गई है।
- मंदिर की नींव का निर्माण रोलर-कॉम्पैक्ट कंक्रीट (आरसीसी) की 14 मीटर मोटी परत से किया गया है, जो इसे कृत्रिम चट्टान का रूप देता है।
- मंदिर में कहीं भी लोहे का प्रयोग नहीं किया गया है। जमीन की नमी से सुरक्षा के लिए ग्रेनाइट का उपयोग करके 21 फुट ऊंचे चबूतरे का निर्माण किया गया है।
- मंदिर परिसर में एक सीवेज उपचार संयंत्र, जल उपचार संयंत्र, अग्नि सुरक्षा के लिए जल आपूर्ति और एक स्वतंत्र बिजली स्टेशन है।
- मंदिर का निर्माण देश की पारंपरिक और स्वदेशी तकनीक से किया गया है।
- श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने श्री राम जन्मभूमि परिसर में जटायु की विशाल प्रतिमा स्थापित की है। प्राण प्रतिष्ठा समारोह के बाद प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने जटायु की प्रतिमा का अनावरण किया।
- अयोध्या का मुख्य मंदिर सूर्य देव, देवी भगवती, भगवान गणेश और भगवान शिव को समर्पित चार मंदिरों से घिरा हुआ है।
- परिसर में अन्य प्रस्तावित मंदिर महर्षि वाल्मिकी, महर्षि वशिष्ठ, महर्षि विश्वामित्र, महर्षि अगस्त्य, निषादराज, माता शबरी और देवी अहिल्या को समर्पित होंगे।

गुलामी की मानसिकता को तोड़कर उठ खड़ा हो रहा राष्ट्र, अतीत के हर दंश से हौसला लेकर, ऐसे ही नव इतिहास का सृजन करता है। श्री मोदी ने कहा कि आज की तारीख की चर्चा आज से एक हजार साल बाद की जाएगी और यह भगवान राम का आशीर्वाद है कि हम इस महत्वपूर्ण अवसर के साक्षी हैं। प्रधानमंत्री ने कहा, "दिन, दिशाएं, आकाश और हर चीज आज दिव्यता से भरी हुई है।" उन्होंने कहा कि यह कोई ये समय, सामान्य समय नहीं है। ये काल के चक्र पर सर्वकालिक स्याही से अंकित हो रहीं अमिट स्मृति रेखाएं हैं।

श्री हनुमान और हनुमान गढ़ी को नमन

श्री राम के हर कार्य में पवनपुत्र हनुमान की उपस्थिति की चर्चा कहते हुए श्री मोदी ने श्री हनुमान और हनुमान गढ़ी को नमन किया। उन्होंने लक्ष्मण, भरत, शत्रुघ्न और माता जानकी को भी प्रणाम किया। उन्होंने इस घटना पर दिव्य संस्थाओं की उपस्थिति को स्वीकार किया। प्रधानमंत्री ने आज का दिन देखने में हुई देरी के लिए प्रभु श्री राम से माफी मांगी और कहा कि आज वह कमी पूरी हो गई है, प्रभु राम निश्चित रूप से हमें क्षमा करेंगे।

श्री मोदी ने कहा, "त्रेता युग में राम आगमन पर संत तुलसीदास ने लिखा, 'प्रभु बिलोकि हरषे संत तुलसीदास पुरबासी। जनित वियोग बिपति सब नासी।' अर्थात्, प्रभु का आगमन देखकर ही सब अयोध्यावासी, समग्र देशवासी हर्ष से भर गए। उस कालखंड में तो वो वियोग केवल 14 वर्षों का था, तब भी इतना असह्य था। इस युग में तो अयोध्या और देशवासियों ने सैकड़ों वर्षों का वियोग सहा है।" श्री मोदी ने आगे कहा कि संविधान की मूल प्रति में श्रीराम मौजूद होने के बावजूद आजादी के बाद लंबी कानूनी लड़ाई लड़ी गई।

प्रधानमंत्री ने न्याय की गरिमा को अक्षुण्ण बनाए रखने के लिए भारत की न्यायपालिका को धन्यवाद दिया। उन्होंने भारत की न्यायपालिका का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि न्याय के पर्याय प्रभु राम का मंदिर भी न्याय बद्ध तरीके से ही बना। श्री मोदी ने बताया कि छोटे-छोटे गांवों समेत पूरे देश में जुलूस निकल रहे हैं और मंदिरों में स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है। "पूरा देश आज दिवाली मना रहा है। हर घर शाम को 'राम ज्योति' जलाने के लिए तैयार है", श्री मोदी ने कहा। राम सेतु के शुरुआती बिंदु अरिचल मुनाई की अपनी कल की यात्रा को याद करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि यह वह क्षण था जिसने काल चक्र को बदल दिया।

श्री मोदी ने उस क्षण की उपमा देते हुए कहा कि उन्हें विश्वास हो गया कि उसी तरह अब कालचक्र फिर बदलेगा और शुभ दिशा में बढ़ेगा। श्री मोदी ने बताया कि अपने 11 दिन के व्रत-अनुष्ठान के दौरान मैंने उन स्थानों का चरण स्पर्श करने का प्रयास किया, जहां प्रभु राम के चरण पड़े थे। चाहे वो नासिक का पंचवटी धाम हो, केरल का पवित्र त्रिप्रायर मंदिर हो, आंध्र प्रदेश में लेपाक्षी हो, श्रीरंगम में रंगनाथ स्वामी मंदिर हो, रामेश्वरम में श्री रामनाथस्वामी मंदिर हो, या फिर धनुषकोडि। प्रधानमंत्री ने समुद्र से सरयू नदी तक की यात्रा के लिए आभार व्यक्त किया।

हर जगह राम नाम का उत्सव

श्री मोदी ने आगे कहा, "सागर से सरयू तक की यात्रा का अवसर मिला। सागर से सरयू तक, हर जगह राम नाम का वही उत्सव भाव छाया हुआ है। प्रभु राम तो भारत की आत्मा के कण-कण से जुड़े हुए हैं। राम भारतवासियों के अंतर्मन में विराजे हुए हैं। उन्होंने कहा कि हम भारत में कहीं भी, किसी की अंतरात्मा को छुएंगे तो

प्रधानमंत्री ने 'दंडवत प्रणाम' किया

प्राण प्रतिष्ठा अनुष्ठान के बाद प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने श्री रामलला की आरती की। उन्होंने प्रभु श्री राम की परिक्रमा की और दंडवत प्रणाम किया। रामरस में डूबे हुए श्री मोदी ने जमीन पर पूरी तरह लेटकर साष्टांग प्रणाम किया, जो हिंदू परंपरा में अत्यंत श्रद्धा और विनम्रता का प्रतीक है।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने मंदिर में उपस्थित साधु-संतों से भी मुलाकात की और उनका आशीर्वाद लिया। प्राण प्रतिष्ठा समारोह के बाद स्वामी गोविंद देव गिरि महाराज के हाथों चरणामृत ग्रहण कर उन्होंने अपना 11 दिवसीय का कठिन उपवास समाप्त किया।

राम मंदिर प्राण-प्रतिष्ठा से पहले राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने प्रधानमंत्री को लिखा पत्र

अयोध्या में श्री राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा अनुष्ठान की पूर्व संध्या पर राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर 22 जनवरी, 2024 को होने वाले प्राण प्रतिष्ठा समारोह के लिए बधाई दी।

उन्होंने श्री राम जन्मभूमि मंदिर में होने वाले समारोह से पूर्व प्रधानमंत्री श्री मोदी के 11 दिवसीय कठिन अनुष्ठान की सराहना की। राष्ट्रपति जी ने अपने पत्र में लिखा, "आपके द्वारा किया गया 11 दिवसीय अनुष्ठान, पवित्र धार्मिक पद्धतियों का अनुसरण मात्र नहीं है बल्कि त्याग की भावना से प्रेरित सर्वोच्च आध्यात्मिक कृत्य है।"

श्रीराम मंदिर समारोह के राष्ट्रव्यापी उत्सव का उल्लेख करते हुए राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु ने इसे 'भारत की चिरंतन आत्मा की उन्मुक्त अभिव्यक्ति' की संज्ञा दी। उन्होंने कहा कि प्रभु श्री राम हमारी सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत के सर्वोत्तम आयामों के प्रतीक हैं। वे बुराई के विरुद्ध निरंतर युद्धरत अच्छाई का आदर्श प्रस्तुत करते हैं। हमारे राष्ट्रीय इतिहास के अनेक अध्याय प्रभु श्री राम के जीवन-चरित और सिद्धांतों से प्रभावित रहे हैं तथा राम-कथा के आदर्शों से राष्ट्र-निर्माताओं को प्रेरणा मिली है।

पत्र में राष्ट्रपति जी ने कहा, "गांधी जी ने कहा था, 'यद्यपि मेरी बुद्धि और हृदय ने बहुत पहले ही ईश्वर के सर्वोच्च गुण और नाम को, सत्य के रूप में अनुभव कर लिया था, मैं सत्य को राम के नाम से ही पहचानता हूं। मेरी अग्नि परीक्षा के सबसे कठिन दौर में राम का नाम ही मेरा रक्षक रहा है और अब भी वह नाम ही मेरी रक्षा कर रहा है।" श्रीमती मुर्मु ने कहा कि लोगों की सामाजिक पृष्ठभूमि से प्रभावित हुए बिना, भेद-भाव से मुक्त रहकर, हर किसी के साथ प्रेम और सम्मान का व्यवहार करने के प्रभु श्री राम के आदर्शों का हमारे पथ-प्रदर्शक विचारकों की बौद्धिक चेतना पर भी गहरा प्रभाव पड़ा है।

प्रधानमंत्री ने प्राण प्रतिष्ठा की शुभकामनाओं के लिए राष्ट्रपति का आभार व्यक्त किया

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने अयोध्या धाम स्थित श्री राम मंदिर में 22 जनवरी, 2024 को होने वाली प्राण प्रतिष्ठा के संबंध में राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु की शुभकामनाओं के लिए उनका आभार व्यक्त किया। उन्होंने आशा व्यक्त की कि यह ऐतिहासिक क्षण देश की विरासत और संस्कृति को समृद्ध करने के साथ ही भारत की विकास यात्रा को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगा। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, "माननीय राष्ट्रपति जी, अयोध्या धाम में रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा के पावन अवसर पर शुभकामनाओं के लिए आपका बहुत-बहुत आभार। मुझे विश्वास है कि यह ऐतिहासिक क्षण भारतीय विरासत एवं संस्कृति को और समृद्ध करने के साथ ही हमारी विकास यात्रा को नए उत्कर्ष पर ले जाएगा।"

इस एकत्व की अनुभूति होगी और यही भाव सब जगह मिलेगा। इससे उत्कृष्ट, इससे अधिक, देश को समायोजित करने वाला सूत्र और क्या हो सकता है?

श्री मोदी ने कई भाषाओं में श्रीराम कथा सुनने के अपने अनुभव को याद करते हुए कहा कि राम स्मृतियों, परम्पराओं में सर्वत्र समाये हुए हैं। "हर युग में लोगों ने राम को जिया है। हर युग में लोगों ने अपने-अपने शब्दों में, अपनी-अपनी तरह से राम को अभिव्यक्त किया है और ये रामरस जीवन प्रवाह की तरह निरंतर बहता रहता है। रामकथा असीम है, रामायण भी अनंत हैं। राम के आदर्श, राम के मूल्य, राम की शिक्षाएं सब जगह एक समान हैं।"

प्रधानमंत्री ने उन लोगों के बलिदान के लिए आभार व्यक्त किया, जिन्होंने आज के दिन को संभव बनाया। उन्होंने संतों, कार सेवकों और राम भक्तों को श्रद्धांजलि दी। श्री मोदी ने कहा, "आज का अवसर उत्सव का क्षण तो है ही, लेकिन इसके साथ ही ये क्षण भारतीय समाज की परिपक्वता के बोध का क्षण भी है। हमारे लिए ये अवसर सिर्फ विजय का नहीं, विनय का भी है। प्रधानमंत्री ने इतिहास की गुत्थियां समझाते हुए कहा कि दुनिया का इतिहास साक्षी है कि कई राष्ट्र अपने ही इतिहास में उलझ जाते हैं, लेकिन हमारे देश ने इतिहास की इस गांठ को जिस गंभीरता और भावुकता के साथ खोला है, वो ये बताती है कि हमारा भविष्य हमारे अतीत से बहुत सुंदर होने जा रहा है।

श्री मोदी ने विनाश करने वालों को याद करते हुए कहा कि ऐसे लोगों को हमारे सामाजिक भाव की पवित्रता का एहसास नहीं है। उन्होंने कहा, "रामलला के इस मंदिर का निर्माण भारतीय समाज की शांति, धैर्य, आपसी सद्भाव और समन्वय का भी प्रतीक है। हम देख रहे हैं, ये निर्माण किसी आग को नहीं, बल्कि ऊर्जा को जन्म दे रहा है। राम मंदिर समाज के हर वर्ग को एक उज्ज्वल भविष्य के पथ पर बढ़ने की प्रेरणा लेकर आया है।" उन्होंने कहा, "राम आग नहीं है, राम ऊर्जा हैं। राम विवाद नहीं, राम समाधान हैं। राम सिर्फ हमारे नहीं हैं, राम तो सबके हैं। राम वर्तमान ही नहीं, राम अनंतकाल हैं।"

श्री मोदी ने इस बात पर जोर दिया कि पूरी

दुनिया प्राण प्रतिष्ठा से जुड़ी है और राम की सर्वव्यापकता को देखा जा सकता है। उन्होंने कहा कि इसी तरह के उत्सव कई देशों में देखे जा सकते हैं और अयोध्या का उत्सव रामायण की वैश्विक परंपराओं का उत्सव बन गया है। उन्होंने कहा, "रामलला की प्रतिष्ठा 'वसुधैव कुटुंबकम' का विचार है।"

राम भारत की आस्था हैं

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने जोर देकर कहा कि आज अयोध्या में केवल श्रीराम के विग्रह रूप की प्राण प्रतिष्ठा नहीं हुई है। ये श्रीराम के रूप में साक्षात् भारतीय संस्कृति के प्रति अटूट विश्वास की भी प्राण प्रतिष्ठा है। ये साक्षात् मानवीय मूल्यों और सर्वोच्च आदर्शों की भी प्राण प्रतिष्ठा है। इन मूल्यों की, इन आदर्शों की आवश्यकता आज सम्पूर्ण विश्व को है। 'सर्वे भवन्तु सुखिनः' ये संकल्प हम सदियों से दोहराते आए हैं। आज उसी संकल्प को राम मंदिर के रूप में साक्षात् आकार मिला है। ये राम के रूप में राष्ट्र चेतना का मंदिर है। राम भारत की आस्था हैं, राम भारत का आधार, विचार, विधान, चेतना, चिंतन, प्रतिष्ठा और भारत का प्रताप हैं। राम प्रवाह हैं, राम प्रभाव हैं। राम नेति भी हैं। राम नीति भी हैं। राम नित्यता भी हैं। राम निरंतरता भी हैं। राम विभु हैं, विशद हैं। राम व्यापक हैं, विश्व हैं, विश्वात्मा हैं और इसलिए जब राम की प्रतिष्ठा होती है, तो उसका प्रभाव वर्षों या शताब्दियों तक ही नहीं होता। उसका प्रभाव हजारों वर्षों के लिए होता है।

महर्षि वाल्मीकि को उद्धृत करते हुए उन्होंने कहा कि 'राज्यम् दश सहस्राणि प्राप्य वर्षाणि राघवः।' अर्थात, राम दस हजार वर्षों के लिए राज्य पर प्रतिष्ठित हुए। यानी हजारों वर्षों के लिए रामराज्य स्थापित हुआ। जब त्रेता में राम आए थे, तब हजारों वर्षों के लिए रामराज्य की स्थापना हुई थी। हजारों वर्षों तक राम विश्व पथ प्रदर्शन करते रहे थे।

श्री मोदी ने प्रत्येक राम भक्त से भव्य राम मंदिर के साकार होने के बाद आगे के रास्ते के बारे में आत्मनिरीक्षण करने को कहा। "आज मैं सच्चे दिल से महसूस कर रहा हूं कि समय का चक्र बदल रहा है। यह एक सुखद संयोग है कि हमारी पीढ़ी को इस महत्वपूर्ण पथ के वास्तुकार के रूप में चुना गया है।" प्रधानमंत्री ने वर्तमान युग के महत्व को रेखांकित किया और अपनी पंक्ति 'यही समय है, सही समय है' दोहराई।" उन्होंने कहा कि हमें अगले एक हजार वर्षों के लिए भारत की नींव रखनी है।

प्रधानमंत्री ने 11 दिनों के कठिन 'अनुष्ठान' का पालन किया

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने श्री राम जन्मभूमि मंदिर में होने वाले प्राण प्रतिष्ठा समारोह से पहले 11 दिनों के कठिन अनुष्ठान का पालन किया, इस दौरान वह फर्श पर सोए और केवल नारियल पानी पीकर अपने व्रत को जारी रखा। उन्होंने राम मंदिर के 'प्राण प्रतिष्ठा' समारोह से पहले भारत भर में कई मंदिरों का दर्शन किया और रामेश्वरम के 'अंगी तीर्थ' समुद्र तट पर पवित्र स्नान किया।

प्रधानमंत्री ने कुबेर टीला शिव मंदिर में पूजा-अर्चना की और जटायु की प्रतिमा का अनावरण किया

श्री राम जन्मभूमि मंदिर में 'प्राण प्रतिष्ठा' समारोह के बाद प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने गर्भगृह के अंदर श्री रामलला की आरती की। इसके बाद श्री मोदी ने प्राचीन एवं प्रसिद्ध कुबेर टीला शिव मंदिर में पूजा-अर्चना की और जटायु की प्रतिमा का अनावरण किया। श्रीराम मंदिर का निर्माण

कर रहे श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने श्रीराम जन्मभूमि परिसर में कुबेर टीला पर स्थित प्राचीन शिव मंदिर का भी जीर्णोद्धार किया है।

एक मजबूत, सक्षम, भव्य और दिव्य भारत के निर्माण की लें शपथ

श्री मोदी ने देशवासियों का आह्वान किया कि मंदिर से आगे बढ़ते हुए अब हम सभी देशवासी इसी क्षण से एक मजबूत, सक्षम, भव्य और दिव्य भारत के निर्माण की शपथ लें। उन्होंने कहा कि इसके लिए जरूरी है कि राष्ट्र की अंतरात्मा में राम का आदर्श रहे। प्रधानमंत्री ने देशवासियों से देव से देश, राम से राष्ट्र की चेतना का विस्तार करने को कहा। उन्होंने उनसे श्री हनुमान की सेवा, भक्ति और समर्पण से सीख लेने को कहा। प्रधानमंत्री ने कहा, "हर भारतीय की भक्ति, सेवा और समर्पण की ये भावना ही सक्षम, भव्य और दिव्य भारत का आधार बनेगी।"

श्री मोदी ने आगे कहा कि हर भारतीय के हृदय में माता शबरी के विश्वास के पीछे की भावना कि 'राम आएंगे' ही भव्य समर्थ और दिव्य भारत का आधार बनेगी। निषादराज के प्रति राम के स्नेह की गहराई और मौलिकता का जिक्र करने से पता चलता है कि सभी एक हैं और एकता और एकजुटता की यही भावना सक्षम, भव्य और दिव्य भारत का आधार बनेगी।

श्री मोदी ने कहा कि आज देश में निराशा के लिए रत्ती भर भी स्थान नहीं है। प्रधानमंत्री ने गिलहरी की कहानी पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जो लोग खुद को छोटा और सामान्य मानते हैं, उन्हें गिलहरी के योगदान को याद रखना चाहिए। गिलहरी का स्मरण ही हमें हमारी इस हिचक को दूर करेगा, हमें सिखाएगा कि छोटे-बड़े हर प्रयास की अपनी ताकत होती है, अपना योगदान होता है और सबके प्रयास की यही भावना, समर्थ-सक्षम, भव्य-दिव्य भारत का आधार बनेगी। श्री मोदी ने कहा कि यही भगवान से देश की चेतना और राम से राष्ट्र की चेतना का विस्तार है।

कर्तव्य की पराकाष्ठा ही सक्षम और दिव्य भारत का आधार

अत्यधिक ज्ञान और अपार शक्ति रखने वाले लंका के शासक रावण से युद्ध करते समय अपनी आसन्न हार के बारे में जानने वाले जटायु की निष्ठा पर प्रकाश डालते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि ऐसे कर्तव्य की पराकाष्ठा ही सक्षम और दिव्य भारत का आधार है। श्री मोदी ने जीवन का हर पल राष्ट्र निर्माण के लिए समर्पित करने का संकल्प लेते हुए कहा, "राम के काम के साथ, राष्ट्र के काम के साथ, समय का हर क्षण, शरीर का हर कण राम के समर्पण को राष्ट्र के प्रति समर्पण के लक्ष्य के साथ जोड़ देगा।"

स्वयं से ऊपर उठकर जाने के अपने विषय को जारी रखते हुए श्री मोदी ने कहा कि भगवान राम की हमारी पूजा पूरी सृष्टि के लिए होनी चाहिए। ये पूजा अहम से उठकर वयम के लिए होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि हमारे प्रयास विकसित भारत के निर्माण के लिए समर्पित होने चाहिए।

वर्तमान अमृत काल और युवा जनसांख्यिकी का उल्लेख करते

संबोधन की मुख्य बातें

- आज हमारे राम आ गए हैं! सदियों की प्रतीक्षा के बाद हमारे राम आ गए हैं
- सदियों के धैर्य, अनगिनत बलिदान, त्याग और तपस्या के बाद हमारे भगवान राम यहां हैं
- 22 जनवरी, 2024 केवल कैलेंडर की एक तारीख नहीं है, यह एक नए 'काल चक्र' का उद्गम है
- मैं आभार व्यक्त करूंगा भारत की न्यायपालिका का, जिसने न्याय की लाज रख ली, न्याय के पर्याय प्रभु राम का मंदिर भी न्यायबद्ध तरीके से ही बना

- अपने 11 दिन के व्रत-अनुष्ठान के दौरान मैंने उन स्थानों का चरण स्पर्श करने का प्रयास किया, जहां प्रभु राम के चरण पड़े थे
- सागर से सरयू तक, हर जगह राम नाम का वही उत्सव भाव छाया हुआ है
- रामकथा असीम है, रामायण भी अनंत हैं। राम के आदर्श, मूल्य और शिक्षाएं, सब जगह एक समान हैं
- ये राम के रूप में राष्ट्र चेतना का मंदिर है। राम भारत की आस्था हैं, आधार, विचार, विधान, चेतना, चिंतन, प्रतिष्ठा और प्रताप हैं
- मैं सच्चे दिल से महसूस करता हूं कि ये एक नए कालचक्र का उद्गम है। यह एक सुखद संयोग है कि हम इस पल को जी रहे हैं, इसे साक्षात घटित होते देख रहे हैं
- हमें अगले एक हजार वर्षों के लिए भारत की नींव रखनी है
- हमें अपनी चेतना को देव से देश, राम से राष्ट्र-देवता से राष्ट्र तक विस्तारित करना है
- यह भव्य मंदिर वैभवशाली भारत के उत्कर्ष और उदय का गवाह बनेगा
- यह भारत का समय है और हम आगे बढ़ रहे हैं

आज अयोध्या में रामलला के साथ भारत का 'स्व' लौटकर आया है : डॉ. मोहन भागवत

श्रीरामलला की प्राणप्रतिष्ठा के अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन राव भागवत ने कहा कि आज आनंद का क्षण है। आज अयोध्या में रामलला के साथ भारत का 'स्व' लौटकर आया है। सम्पूर्ण विश्व को त्रासदी से राहत देने वाला नया भारत खड़ा होकर रहेगा, इसका प्रतीक आज है। इस आनंद का वर्णन कोई अपने शब्दों में नहीं कर सकता है। हमारे दूरदर्शन के माध्यम से इस कार्यक्रम को दूर दराज के लोग देखकर भावविभोर हो रहे हैं। दुनिया देख रही है।

डॉ. मोहन भागवत ने कहा कि आज हमने सुना है कि प्रधानमंत्री मोदी ने कठोर व्रत किया। जितना कठोर कहा गया था, उससे ज्यादा कठोर व्रत किया है। उन्हें हम पहले से जानते हैं। वे कठोर व्रती हैं। वे अकेले व्रत करेंगे तो हम क्या करेंगे? राम बाहर क्यों गए थे। इस पर विचार कीजिए। अयोध्या में कभी कलह नहीं थी। कलह के कारण वन गए। 14 वर्षों तक बाहर रहकर दुनिया की कलह को समाप्त कर वापस आए थे। आज एक बार फिर राम जी वापस आए हैं। आज के दिन का इतिहास जो-जो सुनेगा वह राष्ट्र कार्य को समर्पित होगा और खुद का कल्याण करेगा। प्रधानमंत्री ने तप किया। अब हमें भी तप करना है।

मानस की चौपाइयों को सुनाते हुए सरसंघचालकजी ने कहा कि राम राज्य का जो वर्णन किया गया है, उस भारत माता की हम संतानें हैं। कलह को विदाई देनी होगी। छोटे-छोट कलह को छोड़कर हमें आगे बढ़ना होगा। भगवान राम के चरित्र को अपनाना होगा।

उन्होंने कहा कि कठिन भाषण बहुत हो सकता है। युगानुकूल आचरण देखना होगा। सत्य कहता है कि सब घट में राम हैं। हमें यह जानकार आपस में समन्वय करके चलना होगा। यह धर्म का पहला आचरण है। दूसरा कदम करुणा है। इसका मतलब सेवा और परोपकार करना है। सरकार करती है लेकिन हमें भी करना है। दोनों हाथों से कमाएं और अपने साथ-साथ दूसरों की सेवा करें। दान करें। इसके बाद खुद को संयम में रखने को कहा गया है। अनुशासन का पालन करना है। अपने समाज, कुटुम्ब, सामाजिक जीवन में अनुशासन का पालन करना है। भगिनी निवेदिता कहती हैं कि यही असली जीवन है।

उन्होंने कहा कि पांच सौ वर्षों तक अनेक तपस्वियों ने अपने प्राणों की आहुति तक दी। इसके बाद यह अवसर आया है। मुझे यहां बिठाया गया तो मैं सोचता हूं कि मैंने क्या किया। उन आत्माओं को समर्पित करते हुए इसे मैं इसे स्वीकार करता हूं। मुझे राम के आदर्शों को लेकर जाना है। मंदिर निर्माण के साथ ही विश्व गुरु का सपना भी पूरा हो जाएगा।

हुए श्री मोदी ने देश के विकास के लिए कारकों के सही संयोजन का उल्लेख किया। प्रधानमंत्री ने युवा पीढ़ी से कहा कि वे अपनी मजबूत विरासत का सहारा लें और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ें। श्री मोदी ने कहा, "भारत परंपरा की शुद्धता और आधुनिकता की अनंतता, दोनों के मार्ग पर चलकर समृद्धि के लक्ष्य तक पहुंचेगा।"

भव्य राम मंदिर विकसित भारत के उत्थान का गवाह बनेगा

श्री मोदी ने जोर देकर कहा कि भविष्य सफलताओं और उपलब्धियों के लिए समर्पित है और भव्य राम मंदिर भारत के उत्कर्ष और उदय का साक्षी बनेगा। प्रधानमंत्री ने कहा, "यह भव्य राम मंदिर विकसित भारत के उत्थान का गवाह बनेगा।" श्री मोदी ने कहा कि ये मंदिर सिखाता है कि अगर लक्ष्य, सत्य प्रमाणित हो, अगर लक्ष्य, सामूहिकता और संगठित शक्ति से जन्मा हो, तब उस लक्ष्य को प्राप्त करना असंभव नहीं है। "यह भारत का समय है और भारत आगे बढ़ने जा रहा है। सदियों के इंतजार के बाद हम यहां पहुंचे हैं। शताब्दियों की प्रतीक्षा के बाद हम यहां पहुंचे हैं। हम सबने इस युग का, इस कालखंड का इंतजार किया है। अब हम रुकेंगे नहीं। हम विकास की ऊंचाई पर जाकर ही रहेंगे।" प्रधानमंत्री ने रामलला के चरणों में अपनी श्रद्धा अर्पित की और शुभकामनाएं दीं। ■

अयोध्या में श्रीरामलला प्राण प्रतिष्ठा समारोह के दौरान भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष ने झंडेवालान मंदिर में की पूजा-अर्चना

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने नई दिल्ली स्थित ऐतिहासिक झंडेवालान मंदिर में दर्शन व पूजा-अर्चना की। श्री नड्डा ने झंडेवालान मंदिर से ही पार्टी नेताओं एवं कार्यकर्ताओं के साथ अयोध्या में हुए रामलला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह का सीधा प्रसारण देखा।

उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, "आज श्री अयोध्याधाम में प्रभु श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा के सुअवसर पर नई दिल्ली स्थित झंडेवालान मंदिर में दर्शन एवं पूजा-अर्चना की और श्रद्धालुओं के साथ इस ऐतिहासिक पल के साक्षी बनने का सौभाग्य प्राप्त हुआ।

सनातन संस्कृति के कोटिशः धर्मावलंबियों के लिए यह पावन क्षण धन्य करने वाला है। सदियों की प्रतीक्षा, त्याग व बलिदान से प्राप्त हुए इस पुण्य अवसर ने हमारे अंतर्मन में प्रभु के उच्च आदर्शों को आत्मार्पित कर अपने कर्तव्यों के निर्वहन की प्रेरणा दी है।

आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में कोटिशः रामभक्तों के संकल्प सिद्ध होने पर मैं उनका आभार प्रकट करता हूं।

मां भारती के सांस्कृतिक अभ्युदय का यह सवेरा हमारे गौरवशाली राष्ट्र को वैश्विक प्रगति व प्रतिष्ठा की आभा से प्रदीप्त करेगा।

जय सिया-राम!" ■

पूरा राष्ट्र राममय है : योगी आदित्यनाथ

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 22 जनवरी को अयोध्या स्थित श्रीराम मंदिर में 'श्री रामलला' की प्राण प्रतिष्ठा को राष्ट्रीय गौरव का ऐतिहासिक अवसर बताते हुए कहा कि अवधपुरी में रामलला का विराजना रामराज्य की स्थापना की उद्घोषणा भी है।

मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा किए जाने के बाद उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा, "श्री राम जन्मभूमि मंदिर की स्थापना भारत के सांस्कृतिक पुनर्जागरण का आध्यात्मिक अनुष्ठान है। यह राष्ट्र मंदिर है। निःसंदेह श्री रामलला विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा राष्ट्रीय गौरव का एक ऐतिहासिक अवसर है।"

श्री आदित्यनाथ ने कहा, "आज के इस ऐतिहासिक और अत्यंत पावन अवसर पर भारत का हर नगर, हर गांव अयोध्या धाम है। हर मार्ग श्री राम जन्मभूमि की ओर आ रहा है। हर मन में राम नाम है। हर आंख, हर स्वर संतोष के आंसुओं से भीगी है। हर जिह्वा राम-राम जप रही है। रोम रोम में राम हैं। पूरा राष्ट्र राममय है। ऐसा लगता है हम त्रेता युग में आ गए हैं।"

उन्होंने कहा कि निश्चिंत रहिए। प्रभु राम की कृपा से अब कोई अयोध्या की परिक्रमा में बाधा नहीं बन पाएगा। अयोध्या की गलियों में अब गोलियों की गड़गड़ाहट नहीं होगी। कर्फ्यू नहीं लगेगा, अपितु दीपोत्सव रामोत्सव और श्री राम संकीर्तन से यहां की गलियां गुंजायमान होंगी, क्योंकि अवधपुरी में रामलला का विराजना राम राज्य की स्थापना की एक उद्घोषणा भी है।

श्री आदित्यनाथ ने कहा कि रामराज्य भेदभाव रहित समरस समाज का द्योतक है और हमारे प्रधानमंत्री की नीतियों, विचारों और योजनाओं का आधार है।

उन्होंने कहा कि प्रभु राम के भव्य दिव्य और नव्य धाम में विराजने की आप सभी को कोटि-कोटि बधाई। 500 वर्षों के लंबे अंतराल के उपरांत आज के इस चिर प्रतीक्षित मौके पर अंतरमन में भावनाएं कुछ ऐसी हैं, जिन्हें व्यक्त करने के लिए शब्द नहीं मिल रहे हैं। मन भावुक है, भाव विभोर है, भाव विह्वल है। निश्चित रूप से आप सब भी ऐसा महसूस कर रहे होंगे। ■

प्रधानमंत्री ने श्री राम जन्मभूमि मंदिर को समर्पित छह स्मारक डाक टिकट जारी किए

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 18 जनवरी को श्री राम जन्मभूमि मंदिर को समर्पित छह विशेष स्मारक डाक टिकट जारी किए, साथ ही विश्व के अलग-अलग देशों में प्रभु श्रीराम से जुड़े जो डाक टिकट पहले जारी हुए हैं, उनका भी एक एल्बम आज जारी किया गया। उन्होंने इस अवसर पर भारत और विदेशों में प्रभु राम के सभी भक्तों को बधाई दी।

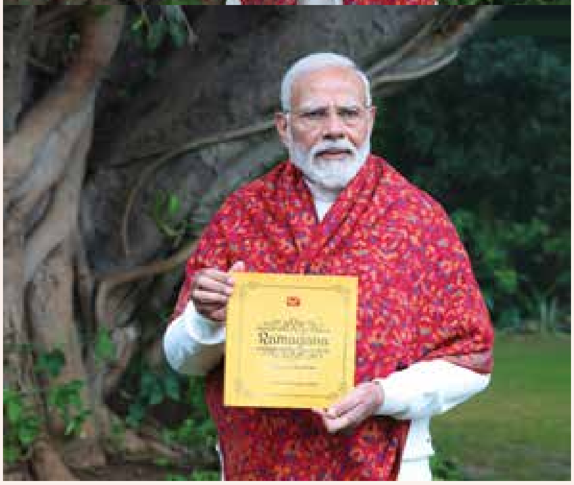

श्री मोदी ने कहा कि हम सभी जानते हैं कि पत्र या महत्वपूर्ण दस्तावेज भेजने के लिए लिफाफे पर ये टिकट चिपकाए जाते हैं, लेकिन वे एक अन्य उद्देश्य भी पूरा करते हैं। डाक टिकट ऐतिहासिक घटनाओं को भावी पीढ़ियों तक पहुंचाने के माध्यम के रूप में भी काम करते हैं। इसलिए जब भी आप किसी को डाक टिकट के साथ कोई पत्र या वस्तु भेजते हैं, तो आप उन्हें इतिहास का एक टुकड़ा भी भेज रहे होते हैं। ये टिकट सिर्फ कागज का टुकड़ा नहीं, बल्कि इतिहास की किताबों, कलाकृतियों और ऐतिहासिक स्थलों का सबसे छोटा रूप हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि ये स्मारक टिकट हमारी युवा पीढ़ी को प्रभु राम और उनके जीवन के बारे में जानने में भी मदद करेंगे। उन्होंने कहा कि इन टिकटों पर कलात्मक अभिव्यक्ति के माध्यम से प्रभु राम के प्रति भक्ति व्यक्त की गई है और लोकप्रिय चौपाई 'मंगल भवन अमंगल हारी' के उल्लेख के साथ राष्ट्र के विकास की कामना की गई है। इन टिकटों पर सूर्यवंशी राम के प्रतीक सूर्य की छवि है, जो देश में नए प्रकाश का संदेश भी देता है। इनमें पुण्य नदी सरयू का चित्र भी है, जो राम के आशीर्वाद से देश को सदैव गतिमान रहने का संकेत करती है। मंदिर के आंतरिक वास्तु के सौंदर्य को बड़ी बारीकी से इन डाक टिकटों पर प्रिंट किया गया है।

श्री मोदी ने उन संतों की भी प्रशंसा की, जिन्होंने राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के साथ मिलकर स्मारक टिकट जारी करने में डाक विभाग का मार्गदर्शन किया। प्रधानमंत्री ने जोर देकर कहा कि भगवान श्रीराम, माता सीता और रामायण से संबंधित शिक्षाएं समय, समाज, जाति, धर्म और क्षेत्र की सीमाओं से परे हर एक व्यक्ति से जुड़ी हैं। सबसे मुश्किल कालखंड में भी त्याग, एकता और साहस दिखाने वाली रामायण, अनेक मुश्किलों में भी प्रेम की जीत सिखाने वाली रामायण पूरी मानवता को खुद से जोड़ती है। यही कारण है कि रामायण पूरे विश्व में आकर्षण का केंद्र रहा है।

उन्होंने कहा कि अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, कंबोडिया, कनाडा, चेक गणराज्य, फिजी, इंडोनेशिया, श्रीलंका, न्यूजीलैंड, थाईलैंड, गुयाना, सिंगापुर उन कई देशों में से हैं, जिन्होंने भगवान श्रीराम के जीवन की घटनाओं पर बहुत रुचि के साथ डाक टिकट जारी किए हैं। उन्होंने कहा कि भगवान श्री राम और माता जानकी की कहानियों के बारे में सम्पूर्ण जानकारी वाला जारी किया गया नया एल्बम हमें उनके जीवन के बारे में जानकारी देगा। यह हमें बताएगा कि भगवान श्रीराम किस तरह भारत से बाहर भी उतने ही महान आदर्श हैं और कैसे विश्व की तमाम सभ्यताओं पर प्रभु श्रीराम का कितना गहरा प्रभाव रहा है।

श्री मोदी ने कहा कि महर्षि वाल्मिकी का वह आह्वान आज भी अमर है जिसमें उन्होंने कहा था, "यावत् स्थास्यन्ति गिरयः, सरितश्च महीतले। तावत् रामायणकथा, लोकेषु प्रचरिष्यति॥" अर्थात्, जब तक पृथ्वी पर पर्वत हैं, नदियां हैं, तब तक रामायण की कथा, श्रीराम का व्यक्तित्व लोक समूह में प्रचारित होता रहेगा। ■

प्रधानमंत्री मोदी ने 'प्राण प्रतिष्ठा' समारोह के बाद जलाई 'राम ज्योति'

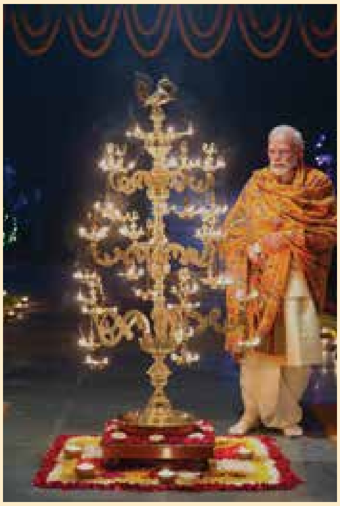

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 22 जनवरी, 2024 की शाम को अयोध्या में नवनिर्मित श्रीराम मंदिर में श्री रामलला के 'प्राण प्रतिष्ठा' समारोह के बाद 'राम ज्योति' जलाई। इससे पहले श्री मोदी ने प्राण प्रतिष्ठा समारोह के शुभ अवसर पर देशवासियों से राम ज्योति जलाने का और श्री रामलला का स्वागत करने का आग्रह किया। उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट किया, "अयोध्या धाम में आज रामलला अपने भव्य मंदिर में विराजमान हुए हैं। इस पुनीत अवसर पर सभी देशवासियों से मेरा आग्रह है कि रामज्योति प्रज्वलित कर अपने घरों में भी उनका स्वागत करें। जय सियाराम!"

माननीय प्रधानमंत्री के आग्रह को पूरा देश सहर्ष स्वीकार किया तथा 'प्राण प्रतिष्ठा' अनुष्ठान की शाम को प्रत्येक परिवार ने अपने घरों में 'राम ज्योति' जलाई। मुख्य रूप से अयोध्या शहर लगभग 10 लाख दीयों की उज्ज्वल चमक से जगमगा उठा और चारो ओर मनोहारी व मंत्रमुग्ध करने वाली छवि दिखाई दी। ■

राम ज्योति प्रज्वलित करते हुए भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने कहा, "रामो विग्रहवान् धर्मः' श्री अयोध्या जी में श्री रामलला के नव्य, दिव्य और भव्य मंदिर में विराजमान होने का अवसर आह्लादित, पुलकित करने वाला है। आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के आह्वान पर आज (22 जनवरी, 2024) नई दिल्ली स्थित आवास पर सपरिवार रामज्योति प्रज्ज्वलित कर उत्सव मनाया।

मैं कामना करता हूं कि कोटिशः जनों की आस्था, भक्ति व प्रेरणा के केंद्र श्री रघुनन्दन हमारे राष्ट्र, समाज व सभ्यता को उत्कर्ष प्रदान करें। अखिल विश्व के जन-जन में नव उत्साह, ऊर्जा का संचार करें। आइए, हम सभी इस ऐतिहासिक क्षण पर अपने घरों में रामज्योति प्रज्ज्वलित कर प्रभु का अभिनंदन करें। जय श्री राम!" ■

राम ज्योति प्रज्वलित करते हुए केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने कहा, "आज पूरा भारत श्री रामलला के भव्य मंदिर में आगमन पर हर्षोल्लास से भर गया है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के आग्रह पर पूरा देश राम ज्योति जलाकर दिवाली मना रहा है। मैंने भी प्रभु श्री राम के आगमन पर अपने परिवार के साथ दीप जलाये।" ■

पूरे देश में 'प्राण प्रतिष्ठा' को लेकर भव्य आयोजन

लंबे समय से प्रतीक्षित श्रीराम लला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह के साथ ही धार्मिक नगरी अयोध्या में भव्य आयोजनों का क्रम शुरू हो गया। साथ ही दुनिया भर में श्रद्धालुओं ने इस अवसर पर अपने-अपने स्थानों पर विभिन्न आयोजन किये। वहीं, दुनिया भर से लोग बड़ी संख्या में इस भव्य समारोह में शामिल होने अयोध्या आये। 'प्राण प्रतिष्ठा' के बाद कड़े सुरक्षा व्यवस्था के बीच भक्तों की भारी भीड़ मंदिर परिसर में पहुंची और राम मंदिर का परिसर 'जय श्री राम', श्री राम मंत्रों और भजनों से गूंज उठा। इस अवसर पर लोक कलाकारों ने अपनी प्रस्तुति पेश की।

22 जनवरी की सुबह भी मंदिर के बाहर बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने 'प्राण प्रतिष्ठा' समारोह के दौरान 'मंगल ध्वनि' नामक एक संगीत कार्यक्रम का आयोजन किया। इस उत्सव में संगीत की दुनिया के कुछ सुप्रसिद्ध संगीतकारों ने अपनी शानदार प्रस्तुति पेश की।

उत्तर प्रदेश के लखनऊ को भगवान श्रीराम के पोस्टरों और झंडों से सजाया गया, जबकि देश भर के शहरों में रोशनी की गयी। वहीं, शहरों को भगवान श्री राम के विशाल कटआउट और भगवान से संबंधित पोस्टरों से सजाया गया।

अयोध्या में श्रीराम लला के प्राण-प्रतिष्ठा समारोह के लिए वैदिक अनुष्ठान मुख्य समारोह से एक सप्ताह पहले 16 जनवरी को शुरू हुए थे।

समारोह में खेल, फिल्म, राजनीति, व्यवसाय, कला, साहित्य, संस्कृति और अन्य क्षेत्रों के विशिष्ट अतिथि और संत भी शामिल हुए। ■

भाजपा, असम प्रदेश कार्यकारिणी बैठक

यह समय पूर्वोत्तर की जनता के लिए अवसरों से भरा समय है : जगत प्रकाश नड्डा

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 10 जनवरी, 2024 को कामरूप, असम के श्रीमंत शंकरदेव कलाक्षेत्र, पंजाबारी में चल रही पार्टी की प्रदेश कार्यकारिणी बैठक को संबोधित किया और पदाधिकारियों से असम में जनता के सहयोग से सभी लोकसभा सीटों पर कमल खिलाने का आह्वान किया। प्रदेश कार्यकारिणी बैठक में श्री नड्डा के साथ भाजपा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री बैजयंत जय पांडा, असम के मुख्यमंत्री श्री हिमंता बिस्व सरमा, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री भावेश कलिता सहित प्रदेश के भाजपा सांसद, विधायक और पार्टी पदाधिकारी शामिल रहे।

श्री नड्डा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी और भारतीय जनसंघ का असम प्रदेश के साथ विशेष संबंध है। डॉ. श्यामा प्रसाद मुकर्जी और श्री गोपीनाथ बोरदोलोई ने जो लड़ाई लड़ी थी, उसी के कारण असम और बंगाल आज भारत का अभिन्न अंग हैं।

उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश कार्यकारिणी सदस्यों को याद रहना चाहिए कि वे उस पार्टी के सदस्य हैं जिसने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश की राजनीति की संस्कृति बदलकर रख दिया है। देश में राजनीति की संस्कृति, सोच और रूप बदल गया है।

श्री नड्डा ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस के किसी मुख्यमंत्री ने कभी अपने वादे पूरे नहीं किए। कांग्रेस की संस्कृति थी कि घोषणापत्र में लुभावने वादे करो, सरकार बनाओ, पांच साल मौज करो और फिर से जनता से नए वादे करके उन्हें झूठे सपने दिखाओ। पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय तरुण गोगोई जी ने भी अपने वादे पूरे नहीं किए। वहीं, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने रिपोर्ट कार्ड की राजनीति सिखाई है, जिसका मतलब ये है कि जो कहा, वो किया है और जो नहीं कहा था वो भी किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि भाजपा ने अपने घोषणापत्र में जो वादे किए वो पूरे किए हैं। भाजपा सदैव 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' के सिद्धांत पर काम करती है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देशभर में सामाजिक परिवर्तन, सामाजिक न्याय और हर समाज का सशक्तीकरण पूरी ताकत से किया गया है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी की सरकार असम ही नहीं देशभर के ग्रामीण, वंचित, शोषित, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, किसान, महिला और युवा के विकास के लिए समर्पित सरकार है। इसीलिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि उनके अनुसार चार ही जातियां हैं जो हैं GYAN अर्थात गरीब, युवा, अन्नदाता और नारीशक्ति। जब गरीब, युवा, अन्नदाता और नारीशक्ति का विकास एवं उत्थान होता है तो देश अपने आप आगे बढ़ जाता है। इसीलिए प्रधानमंत्रीजी ने प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत 80 करोड़ लोगों को 5 किलो गेहूं-चावल और 1 किलो दाल प्रदान किए हैं। इन 80 करोड़ लोगों में 2.5 करोड़ लोग असम से हैं।

> स्वतंत्रता के बाद प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने सर्वाधिक बार पूर्वोत्तर का दौरा किया है और यहां के सभी मुद्दों को हल किया है

श्री नड्डा ने कहा कि स्वतंत्रता के बाद प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने सर्वाधिक बार पूर्वोत्तर का दौरा किया है और यहां के सभी मुद्दों को हल किया है। इन सभी मुद्दों में असम-मेघालय से सीमा विवाद और असम-अरुणाचल प्रदेश सीमा विवाद जैसे अहम मामले शामिल हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी देश के विकास का 10 प्रतिशत बजट पूर्वोत्तर के विकास पर खर्च करते हैं और इसके अलावा भाजपा के कार्यकाल में कांग्रेस के समय से लंबित पुलों के कार्य पूरे किये गए हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में गुवाहाटी में ऑल इंडिया इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस स्थापित किया गया और इसके अलावा आज 10 मेडिकल कॉलेज बन चुके हैं एवं 15 निर्माणाधीन हैं। पूर्वोत्तर का असम में स्थित कैंसर संस्थान भारत का सबसे बड़ा कैंसर संस्थान है। यह समय पूर्वोत्तर की जनता के लिए अवसरों से भरा समय है। श्री मोदी के नेतृत्व में असम को आगे बढ़ाया जा रहा है। पहले श्री सर्बानंद सोनोवाल ने असम के लिए काम किया अब श्री हिमंत बिस्वा सरमा इस कार्य को आगे बढ़ा रहे हैं। उन्होंने कहा कि अगर इस विकास को आगे बढ़ाना है तो असम की जनता को कमल को संभालकर रखना होगा और कांग्रेस के नेताओं ने न्याय यात्रा के लिए पूर्वोत्तर को चुना है, जो असलियत में भारत तोड़ो अन्याय यात्रा है। ■

'प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सशक्त नेतृत्व में पूर्वोत्तर के सभी बड़े विवादों का समाधान किया जा चुका है'

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा 11 जनवरी, 2024 को अपने एक दिवसीय प्रवास पर अरुणाचल प्रदेश पहुंचे। उनके ईटानगर हवाई अड्डे पर आगमन पर पार्टी के नेताओं, वरिष्ठ पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं द्वारा उनका भव्य स्वागत किया गया। इस दौरान श्री नड्डा ने प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक में भाग लिया और ईटानगर में प्रदेश भाजपा कोर समिति की बैठक की अध्यक्षता की। इसके अतिरिक्त उन्होंने प्रदेश में लोकसभा चुनाव के लिए पार्टी की तैयारियों की समीक्षा की। कार्यक्रम के दौरान अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री पेमा खांडू, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री बियुराम वाहगे, केंद्रीय मंत्री श्री किरेन रिजिजू और अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 11 जनवरी को ईटानगर में प्रदेश भाजपा कार्यकारिणी की बैठक को संबोधित कर, पदाधिकारियों से प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में अरुणाचल प्रदेश में लोगों के सहयोग से सभी लोकसभा सीटों पर कमल खिलाने का आह्वान किया।

श्री जगत प्रकाश नड्डा ने कहा कि आज मुझे यहां आकर खुशी हो रही है। सबसे पहले मैं इस गर्मजोशी भरे और शानदार स्वागत के लिए आप सभी को धन्यवाद देता हूं। मुझे इस अवसर पर यह कहना है कि अरुणाचल प्रदेश 'अनुशासन की भूमि' है।

- उन्होंने कहा कि अरुणाचल प्रदेश 3डी ढांचे में फल-फूल रहा है— प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का निर्णायक नेतृत्व, हमारे मुख्यमंत्री श्री पेमा खांडू द्वारा कार्यान्वयन और सभी सरकारी योजनाओं की डोरस्टेप डिलीवरी।
- कांग्रेस और यूपीए ने आपके साथ राजनीतिक खेल खेलने के अलावा कुछ नहीं किया। कांग्रेस का मतलब है 'विभाजन'। कांग्रेस का मतलब है 'फूट डालो और राज करो'। कांग्रेस का मतलब है 'वोट-बैंक पॉलिटिक्स' है।
- कांग्रेस 'राजनीति' करती है, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में हम 'राष्ट्रनीति' बनाते हैं! हमारा दृष्टिकोण किसी को भी पीछे न छोड़ना है; हमारा आदर्श वाक्य 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास' है।
- प्रधानमंत्री श्री मोदी के सशक्त नेतृत्व में उल्फा से लेकर बोडो समझौते जैसे सभी बड़े विवादों का समाधान हो चुका है। विशेष रूप से पूर्वोत्तर भारत में उग्रवादियों के पनाहगाहों ने अब शांति का रास्ता चुना है; वे मुख्यधारा में शामिल हो गये हैं।
- प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में भाजपा 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास' नारे के साथ राष्ट्रीय कल्याण को प्राथमिकता देती है, जिसमें जाति या धर्म के आधार पर भेदभाव किये बिना सभी के विकास पर जोर दिया जाता है। इसी के तहत उत्तर पूर्व में 8,139.50 करोड़ रुपये के आवंटन के साथ सड़कों, राजमार्गों और बुनियादी ढांचे में पर्याप्त विकास हुआ है।
- प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत देशभर में 4 करोड़ घर बनाए गए हैं, जिनमें अरुणाचल प्रदेश में निर्मित 45,000 घर भी शामिल हैं। श्री नरेन्द्र मोदी ने देश भर में 12 करोड़ शौचालयों के निर्माण की शुरुआत की, जिसमें अरुणाचल प्रदेश में 1.48 लाख शौचालय बनाए गए हैं और 123 गांवों को ओडीएफ का दर्जा प्राप्त हुआ है।
- श्री नरेन्द्र मोदी ने 'वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम' के तहत लगभग 4800 करोड़ रुपये आवंटित किये हैं।
- हम भारतीय जनता पार्टी के सदस्य और कार्यकर्ता हैं, हमारी विचारधारा है 'राष्ट्र प्रथम, फिर पार्टी और अंतिम में स्वयं।' हम देश को ध्यान में रखकर काम करते हैं और यह मानते हैं कि पार्टी का अस्तित्व राष्ट्र की सेवा के लिए है। ■

संगठनात्मक नियुक्ति

चन्द्रशेखर को तेलंगाना का महामंत्री (संगठन) नियुक्त किया गया

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 15 जनवरी, 2024 को श्री चन्द्रशेखर को तेलंगाना प्रदेश भारतीय जनता पार्टी का का प्रदेश महामंत्री (संगठन) नियुक्त किया। ■

स्वच्छ तीर्थ अभियान एवं विकसित भारत संकल्प यात्रा

'प्रधानमंत्रीजी ने जनकल्याण के अभूतपूर्व कार्य सुनिश्चित किए हैं'

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 18 जनवरी, 2024 को देशव्यापी 'स्वच्छ तीर्थ अभियान' के तहत पूर्वी दिल्ली लोकसभा क्षेत्र के न्यू संजय अमर कॉलोनी, विश्वास नगर स्थित पशुपति नाथ मंदिर में पूजा-अर्चना की और श्रमदान किया। विदित हो कि अयोध्याजी में 22 जनवरी को भव्य श्रीराम मंदिर में रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा से पहले प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान पर देश भर के मंदिरों, पूजा स्थलों, तीर्थ क्षेत्रों की स्वच्छता का विशेष अभियान चल रहा है जिसमें आम जनता और भारतीय जनता पार्टी के बूथ कार्यकर्ता से लेकर राष्ट्रीय नेतृत्व तक बढ़-चढ़कर भाग ले रहे हैं और श्रमदान दे रहे हैं। श्री नड्डा ने 14 जनवरी को नई दिल्ली के संत रविदास मंदिर में श्रमदान कर पार्टी के स्वच्छ तीर्थ अभियान की शुरुआत की थी। इस कार्यक्रम में श्री नड्डा के साथ दिल्ली प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री वीरेंद्र सचदेवा एवं पूर्वी दिल्ली से भाजपा सांसद श्री गौतम गंभीर सहित पार्टी के कई वरिष्ठ पदाधिकारी और बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता उपस्थित थे।

इस अवसर पर श्री नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान पर आरंभ हुए इस 'स्वच्छ तीर्थ अभियान' ने आध्यात्मिक स्थलों की स्वच्छता व समुचित रख-रखाव हेतु देशभर में नई चेतना का सर्जन किया है। श्रीराम मंदिर अयोध्या में प्राणप्रतिष्ठा का पावन अवसर सभी के जीवन में सुख-सौभाग्य लेकर आए। आइए, हम सभी अपने आस-पास के धार्मिक स्थलों को स्वच्छ, सुंदर व दिव्य बनाएं।

इस कार्यक्रम के पश्चात् श्री नड्डा ने विश्वास नगर में ही प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा विकसित भारत संकल्प यात्रा के लाभार्थियों से संवाद कार्यक्रम में वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से प्रतिभाग किया। कार्यक्रम में देश भर से 'विकसित भारत संकल्प यात्रा' के हजारों लाभार्थी सहित कई केंद्रीय मंत्री, सांसद, विधायक और स्थानीय स्तर के प्रतिनिधि भी शामिल हुए। श्री नड्डा ने दिल्ली के विश्वास नगर में 'विकसित भारत संकल्प यात्रा' के लाभार्थियों के साथ प्रधानमंत्रीजी का संवाद सुना और 2047 तक 'विकसित भारत निर्माण' की शपथ ली। श्री नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने अपनी नीतियों में वंचितों को सर्वोच्च वरीयता देकर जनकल्याण के अभूतपूर्व कार्य सुनिश्चित किए हैं। इस यात्रा से अब तक करोड़ों लोग जुड़कर लाभान्वित हो चुके हैं। योजनाओं की जानकारी, क्रियान्वयन और सैचुरेशन के इस महाअभियान ने नित नए आयाम गढ़ने के साथ जन-जन को 'विकसित भारत निर्माण' के संकल्प से जोड़ा है।

उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 15 नवंबर, 2023 को विकसित भारत संकल्प यात्रा का शुभारंभ किया था। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 15 नवंबर के बाद से छह बार 30 नवंबर, 9 दिसंबर, 16 दिसंबर, 27 दिसंबर, 8 जनवरी और आज 18 जनवरी, 2024 को विकसित भारत संकल्प यात्रा के लाभार्थियों से सीधा संवाद किया है। ■

दक्षिण अफ्रीका की सत्ताधारी पार्टी के प्रतिनिधिमंडल ने नई दिल्ली में भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष से भेंट की

दक्षिण अफ्रीका की सत्ताधारी पार्टी 'अफ्रीकन नेशनल कांग्रेस' के चार सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने 16 जनवरी, 2024 को भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा से भेंट की।

चर्चा के दौरान श्री नड्डा ने भाजपा के संगठनात्मक ढांचे और जमीनी स्तर की पहलों के बारे में विस्तार से अपनी बात रखी। इस बैठक में दोनों पार्टियों के संबंधों को मजबूत करने के लिए रणनीतियां बनाने पर बात हुई। इस दौरान श्री नड्डा ने भाजपा के संचालन, दृष्टिकोण और भारत की उन्नति में योगदान के बारे में जानकारी प्रदान की। श्री नड्डा ने वर्ष 2018 में स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री के रूप में अपनी दक्षिण अफ्रीका यात्रा को भी याद किया।

- एएनसी के महासचिव श्री फिकिले मबुलुला ने इस प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया। प्रतिनिधिमंडल के अन्य सदस्य थे—
- श्री एल्विन बोट्स (आईआर और सहयोग के उप मंत्री और एएनसी की राष्ट्रीय कार्यकारी समिति के सदस्य)

- श्री चेसलिन एडवर्ड मोस्टर (अभियान समीति के सदस्य)
- श्री फिलिप मुसेकवा (महासचिव के कार्यालय में कार्यालय प्रमुख)

प्रतिनिधिमंडल ने 'भाजपा को जानें' पहल के तहत भारतीय जनता पार्टी के निमंत्रण पर भारत का दौरा किया। इस पहल की शुरुआत भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने भाजपा के 43वें स्थापना दिवस पर की थी। ■

पीएम-जनमन के अंतर्गत प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के 1 लाख लाभार्थियों को पहली किस्त जारी

लगभग 24,000 करोड़ रुपये के बजट के साथ पीएम-जनमन योजना 9 मंत्रालयों के माध्यम से 11 महत्वपूर्ण क्षेत्रों के लिए केंद्रित है

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 15 जनवरी को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महा-अभियान (पीएम-जनमन) के अंतर्गत प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण (पीएमएवाई-जी) के 1 लाख लाभार्थियों को पहली किस्त जारी की।

इस अवसर पर श्री मोदी ने देशभर में प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महा-अभियान (पीएम-जनमन) के लाभार्थियों को संबोधित किया तथा बातचीत की। प्रधानमंत्री से सीधे बातचीत करने वाले लाभार्थी छत्तीसगढ़, झारखंड, आंध्र प्रदेश, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र से थे, जहां बड़ी तादाद में विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूह (पीवीटीजी) समुदाय और आबादी मौजूद है।

कमजोर जनजातीय समूहों (पीवीटीजी) के सामाजिक-आर्थिक कल्याण के लिए पीएम-जनमन की शुरुआत

- अंतिम छोर पर अंतिम व्यक्ति को सशक्त बनाने के अंत्योदय के दृष्टिकोण की दिशा में प्रधानमंत्री के प्रयासों के अनुरूप जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर 15 नवंबर, 2023 को विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों (पीवीटीजी) के सामाजिक-आर्थिक कल्याण के लिए पीएम-जनमन की शुरुआत की गई थी।
- लगभग 24,000 करोड़ रुपये के बजट के साथ पीएम-जनमन योजना 9 मंत्रालयों के माध्यम से 11 महत्वपूर्ण क्षेत्रों के लिए केंद्रित है। इसका उद्देश्य पीवीटीजी घरों और बस्तियों को सुरक्षित आवास, स्वच्छ पेयजल जैसी बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराकर उनकी सामाजिक-आर्थिक स्थितियों में सुधार करना और स्वच्छता, शिक्षा, स्वास्थ्य और पोषण, बिजली, सड़क और दूरसंचार कनेक्टिविटी और स्थायी आजीविका के अवसरों तक बेहतर पहुंच बनाना है।

540 करोड़ रुपये की पहली किस्त जारी

श्री मोदी ने ग्रामीण आवास योजना-प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण (पीएमएवाई-जी) के तहत 1 लाख पक्के मकानों के निर्माण के लिए 19 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में पीवीटीजी लाभार्थियों के बैंक खातों में 540 करोड़ रुपये की पहली किस्त जारी की।

प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में इस बात का उल्लेख किया कि पीवीटीजी समुदाय पिछले 75 वर्षों से लाभों से वंचित थे और अब सरकार पीएम-जनमन योजना के माध्यम से अंततः उन्हें पक्के मकान, पानी, बिजली सड़क और मोबाइल कनेक्टिविटी, एमएमयू, आधार कार्ड, आयुष्मान कार्ड आदि जैसी बुनियादी सुविधाएं प्रदान करने की दिशा में लगातार काम कर रही है।

श्री मोदी ने आउटरीच शिविरों के माध्यम से कड़ी मेहनत करने वाले और दूरदराज के इलाकों में रहने वाले व्यक्तियों की दहलीज पर जाकर उन्हें विभिन्न योजनाओं का लाभ प्रदान करने में मदद करने वाले अधिकारियों का भी आभार प्रकट किया। उन्होंने इस बात का भी उल्लेख किया कि कैसे भारत सरकार के विभिन्न मंत्रालय इन अति पिछड़े समुदायों के कल्याण के लिए मिलकर काम कर रहे हैं।

इस अवसर पर केंद्रीय जनजातीय कार्य मंत्री श्री अर्जुन मुंडा ने यह भी बताया कि देश के पर्वतीय और सीमावर्ती क्षेत्रों सहित दूरदराज के इलाकों में 2 महीने के भीतर 8,000 से अधिक शिविर आयोजित किए गए। इन शिविरों में देश की अति पिछड़ी जनजातीय आबादी को आधार कार्ड, आयुष्मान कार्ड, पीएम किसान सम्मान निधि योजना की धनराशि, किसान क्रेडिट कार्ड, वन अधिकार अधिनियम के पट्टे, पीएम जन धन योजना के खाते खोलने, जाति प्रमाण पत्र और राशन कार्ड आदि जैसे लाभ प्रदान किए गए। ■

पिछले 9 वर्षों के दौरान 24.82 करोड़ भारतीय विविध प्रकार की गरीबी से बाहर निकले

गरीबी में रह रहे लोगों का अनुपात 2013-14 के 29.17 प्रतिशत से घटकर 2022-23 में 11.28 प्रतिशत हो गया

पिछले 9 वर्षों के दौरान 24.82 करोड़ लोग विविध प्रकार की गरीबी से बाहर निकले। नीति आयोग के चर्चा पत्र 'मल्टीडायमेंशनल पावर्टी इन इंडिया सिन्स 2005-06' के निष्कर्ष इस उल्लेखनीय उपलब्धि का श्रेय 2013-14 से 2022-23 के बीच हर तरह की गरीबी के समाधान के लिए सरकार की महत्वपूर्ण पहलों को देते हैं। चर्चा पत्र 15 जनवरी को नीति आयोग के सदस्य प्रोफेसर रमेश चंद ने नीति आयोग के सीईओ श्री बी.वी.आर. सुब्रमण्यम की उपस्थिति में जारी किया। ऑक्सफोर्ड नीति और मानव विकास पहल (ओपीएचआई) और संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) ने इस पत्र के लिए तकनीकी जानकारी प्रदान की है।

बहुआयामी गरीबी सूचकांक (एमपीआई) एक विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त व्यापक उपाय है, जो मौद्रिक पहलुओं से परे अनेक आयामों में गरीबी को दर्शाता है। एमपीआई की वैश्विक कार्यप्रणाली मजबूत अलकिरे और फोस्टर (एएफ) पद्धति पर आधारित है जो अत्यधिक गरीबी का आकलन करने के लिए डिज़ाइन की गई सार्वभौमिक रूप से स्वीकृत मीट्रिक के आधार पर लोगों को गरीब के रूप में पहचानती है, जो पारंपरिक मौद्रिक गरीबी उपायों के लिए एक पूरक संभावना प्रदान करती है।

बहुआयामी गरीबी में 17.89 प्रतिशत अंकों की उल्लेखनीय गिरावट

चर्चा पत्र के अनुसार भारत में बहुआयामी गरीबी में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई है, जो 2013-14 के 29.17 प्रतिशत से घटकर 2022-23 में 11.28 प्रतिशत हो गई है, यानी 17.89 प्रतिशत अंकों की कमी। उत्तर प्रदेश में पिछले नौ वर्षों के दौरान 5.94 करोड़ लोगों के बहुआयामी गरीबी से बाहर निकलने के साथ गरीबों की संख्या में सबसे बड़ी गिरावट दर्ज की गई है, इसके बाद बिहार में 3.77 करोड़, मध्य प्रदेश में 2.30 करोड़ और राजस्थान में 1.87 करोड़ लोग हैं।

पेपर यह भी दर्शाता है कि नमूने की विधि का उपयोग करके गरीबी हेडकाउंट अनुपात में गिरावट की गति 2005-06 से 2015-16 की अवधि (7.69 प्रतिशत वार्षिक दर) की तुलना में 2015-16 से 2019-21 (10.66 प्रतिशत वार्षिक गिरावट दर) के बीच बहुत तेज थी। संपूर्ण अध्ययन अवधि के दौरान एमपीआई के सभी 12 संकेतकों में महत्वपूर्ण सुधार दर्ज किया गया है। वर्तमान परिदृश्य (यानी वर्ष 2022-23 के लिए) के मुकाबले वर्ष 2013-14 में गरीबी के स्तर का आकलन करने के लिए इन विशिष्ट अवधियों के लिए डेटा सीमाओं के कारण अनुमानित अनुमानों का उपयोग किया गया है।

भारत के 2030 से काफी पहले एसडीजी लक्ष्य 1.2 (बहुआयामी गरीबी को कम से कम आधे तक कम करना) हासिल करने की संभावना

गरीबी के सभी आयामों को कवर करने वाली महत्वपूर्ण पहलों के कारण पिछले 9 वर्षों में 24.82 करोड़ लोग बहुआयामी गरीबी से बाहर निकले हैं। परिणामस्वरूप, भारत के 2030 से पहले बहुआयामी गरीबी को आधा करने के अपने एसडीजी लक्ष्य को प्राप्त करने की संभावना है। सबसे कमजोर और वंचितों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए सरकार के निरंतर समर्पण और दृढ़ प्रतिबद्धता ने इस उपलब्धि में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

भारत सरकार ने हर प्रकार की गरीबी को कम करने के लक्ष्य के साथ लोगों के जीवन को बेहतर बनाने में उल्लेखनीय प्रगति की है। पोषण अभियान और एनीमिया मुक्त भारत जैसी उल्लेखनीय पहलों ने स्वास्थ्य सुविधाओं तक पहुंच में उल्लेखनीय वृद्धि की है, जिससे वंचित रहने में काफी कमी आई है। दुनिया के सबसे बड़े खाद्य सुरक्षा कार्यक्रमों में से एक का संचालन करते हुए राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कानून के तहत लक्षित सार्वजनिक वितरण प्रणाली 81.35 करोड़ लाभार्थियों को कवर करती है, जो ग्रामीण और शहरी आबादी को खाद्यान्न प्रदान करती है।

हाल के फैसले जैसेकि प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत मुफ्त खाद्यान्न वितरण को अगले पांच वर्षों के लिए बढ़ाना, सरकार की प्रतिबद्धता का उदाहरण है। मातृ स्वास्थ्य का समाधान करने वाले विभिन्न कार्यक्रम, उज्ज्वला योजना के माध्यम से स्वच्छ खाना पकाने के ईंधन वितरण, सौभाग्य के माध्यम से बिजली कवरेज में सुधार और स्वच्छ भारत मिशन और जल जीवन मिशन जैसे परिवर्तनकारी अभियानों ने सामूहिक रूप से लोगों की रहने की स्थिति और समग्र कल्याण की स्थिति में सुधार किया है। इसके अतिरिक्त, प्रधानमंत्री जन धन योजना और पीएम आवास योजना जैसे प्रमुख कार्यक्रमों ने वित्तीय समावेशन और वंचितों के लिए सुरक्षित आवास प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। ■

प्रत्यक्ष कर संग्रह प्रत्यक्ष करों के कुल बजट अनुमानों का 80.61 प्रतिशत हुआ

10 जनवरी, 2024 तक सकल प्रत्यक्ष कर संग्रह 16.77 प्रतिशत की वर्ष-दर-वर्ष वृद्धि के साथ 17.18 लाख करोड़ रुपये रहा

प्रत्यक्ष कर संग्रह के 10 जनवरी, 2024 तक के अनंतिम आंकड़ों में लगातार वृद्धि दर्ज की जा रही है। 10 जनवरी तक प्रत्यक्ष कर संग्रह से पता चलता है कि सकल संग्रह 17.18 लाख करोड़ रुपये है जो पिछले वर्ष की इसी अवधि के सकल संग्रह की तुलना में 16.77 प्रतिशत अधिक है। प्रत्यक्ष कर संग्रह, रिफंड का निवल 14.70 लाख करोड़ रुपये है, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि के लिए निवल संग्रह की तुलना में 19.41 प्रतिशत अधिक है। यह संग्रह वित्त वर्ष 2023-24 के लिए प्रत्यक्ष करों के कुल बजट अनुमानों का 80.61 प्रतिशत है।

जहां तक सकल राजस्व संग्रह के संदर्भ में कॉरपोरेट आयकर (सीआईटी) और व्यक्तिगत आयकर (पीआईटी) की वृद्धि दर का संबंध है, सीआईटी के लिए वृद्धि दर 8.32 प्रतिशत है जबकि पीआईटी के लिए वृद्धि दर 26.11 प्रतिशत (केवल पीआईटी)/26.11 प्रतिशत (एसटीटी सहित पीआईटी) है। रिफंड के समायोजन के बाद सीआईटी संग्रह में निवल वृद्धि 12.37 प्रतिशत है और पीआईटी संग्रह में 27.26 प्रतिशत (केवल पीआईटी)/27.22 प्रतिशत (एसटीटी सहित पीआईटी) है। 01 अप्रैल, 2023 से 10 जनवरी, 2024 के दौरान 2.48 लाख करोड़ रुपये के रिफंड जारी किए गए। ■

प्रत्यक्ष करों का शुद्ध संग्रह वित्त वर्ष 2013-14 की तुलना में वित्त वर्ष 2022-23 में 160.52 प्रतिशत बढ़ा

केंद्रीय वित्त मंत्रालय द्वारा 23 जनवरी को जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) प्रत्यक्ष करों के संग्रह और संचालन से संबंधित प्रमुख आंकड़े समय-समय पर सार्वजनिक रूप से जारी करता रहा है। अधिक से अधिक जानकारियां सार्वजनिक रूप से उपलब्ध कराने के अपने प्रयासों को जारी रखते हुए सीबीडीटी ने 'समेकित टाइम-सीरीज डेटा' जारी किया है जिसे वित्त वर्ष 2022-23 तक अपडेट किया गया है।

इनमें से कुछ आंकड़ों की मुख्य बातें इस प्रकार हैः

- प्रत्यक्ष करों का शुद्ध संग्रह वित्त वर्ष 2013-14 के 6,38,596 करोड़ रुपये से 160.52% बढ़कर वित्त वर्ष 2022-23 में 16,63,686 करोड़ रुपये हो गया है।
- वित्त वर्ष 2022-23 में 19,72,248 करोड़ रुपये के सकल प्रत्यक्ष कर संग्रह ने वित्त वर्ष 2013-14 के 7,21,604 करोड़ रुपये के सकल प्रत्यक्ष कर संग्रह की तुलना में 173.31% से भी अधिक की वृद्धि दर्ज की है।
- प्रत्यक्ष कर-जीडीपी अनुपात वित्त वर्ष 2013-14 के 5.62% से बढ़कर वित्त वर्ष 2022-23 में 6.11% हो गया।
- कर संग्रह की लागत वित्त वर्ष 2013-14 में कुल संग्रह के 0.57% से घटकर वित्त वर्ष 2022-23 में कुल संग्रह का 0.51% हो गई है।
- वित्त वर्ष 2022-23 में दाखिल किए गए आईटीआर की कुल संख्या 7.78 करोड़ है, जो वित्त वर्ष 2013-14 में दाखिल किए गए कुल 3.80 करोड़ आईटीआर की तुलना में 104.91% की वृद्धि दर्शाती है। ■

प्रधानमंत्री सूर्योदय योजना के तहत 1 करोड़ परिवारों को मिलेगी अपने घर की छत पर सौर ऊर्जा

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 22 जनवरी को 'प्रधानमंत्री सूर्योदय योजना' की घोषणा की। इस योजना अंतर्गत देश के 1 करोड़ परिवारों को अपने घर की छत पर सौर ऊर्जा मिलेगी। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि आज अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा के शुभ अवसर पर मेरा संकल्प और भी दृढ हुआ है कि भारत के लोगों के घर की छत पर उनका स्वयं का सोलर रूफ टॉप सिस्टम हो।

अयोध्या से लौटने के बाद मैंने पहला निर्णय यह लिया है कि हमारी सरकार 1 करोड़ घरों की छत पर रूफटॉप सोलर प्रणाली लगाने के लक्ष्य के साथ 'प्रधानमंत्री सूर्योदय योजना' का शुभारंभ करेगी। इससे न केवल गरीबों और मध्यम वर्ग के बिजली के बिल में कमी आएगी, बल्कि इससे भारत ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर भी बनेगा।

प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर पोस्ट किया, "सूर्यवंशी भगवान श्री राम के आलोक से विश्व के सभी भक्तगण सदैव ऊर्जा प्राप्त करते हैं। आज अयोध्या में प्राणप्रतिष्ठा के शुभ अवसर पर मेरा ये संकल्प और प्रशस्त हुआ कि भारतवासियों के घर की छत पर उनका अपना सोलर रूफ टॉप सिस्टम हो।" ■

आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत बने 30 करोड़ आयुष्मान कार्ड

इस योजना के तहत 6.2 करोड़ मुफ्त अस्पताल भर्ती से गरीब और कमजोर तबके के 1.25 लाख करोड़ से अधिक रुपये की बचत हुई

आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री-जन आरोग्य योजना (एबी पीएम-जेएवाई) ने 12 जनवरी, 2024 को 30 करोड़ आयुष्मान कार्ड बनाने की बड़ी सफलता हासिल की है। इस प्रमुख योजना को राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण (एनएचए) कार्यान्वित कर रहा है। इसका लक्ष्य 12 करोड़ लाभार्थी परिवारों को माध्यमिक और तृतीयक देखभाल अस्पताल में भर्ती के लिए प्रति परिवार 5 लाख रुपये प्रति वर्ष का स्वास्थ्य कवर प्रदान करना है।

आयुष्मान भारत पीएम-जेएवाई के तहत आयुष्मान कार्ड का निर्माण सबसे बुनियादी गतिविधि है और यह सुनिश्चित करने के लिए लगातार ठोस प्रयास किए जा रहे हैं कि योजना के तहत प्रत्येक लाभार्थी के पास आयुष्मान कार्ड हो। लगातार प्रयासों के परिणामस्वरूप इस योजना के तहत 30 करोड़ आयुष्मान कार्ड बनाने की उपलब्धि हासिल हो चुकी है। पिछले दो वित्तीय वर्षों के दौरान ही 16.7 करोड़ से अधिक आयुष्मान कार्ड बनाए गए हैं। आज की तारीख में वर्ष 2023-24 के दौरान 7.5 करोड़ से ज्यादा आयुष्मान कार्ड बनाए जा चुके हैं। इसका मतलब है कि हर मिनट लगभग 181 आयुष्मान कार्ड बनाए जा रहे हैं।

अब तक महिलाओं के लिए लगभग 14.6 करोड़ आयुष्मान कार्ड बनाए गए हैं। यह योजना महिला लाभार्थियों को जारी किए गए 49 प्रतिशत आयुष्मान कार्डों के साथ स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच में क्षेत्रीय समानता और आय समानता के साथ लैंगिक समानता हासिल करने का प्रयास कर रही है। साथ ही, इस योजना के तहत प्रदान किए गए उपचार का 48 प्रतिशत लाभ महिला द्वारा उठाया गया है। इस प्रकार, लैंगिक समानता इस योजना के मूल डिजाइन का हिस्सा है।

इसके अलावा, आयुष्मान भारत पीएम-जेएवाईके तहत 6.2 करोड़ से अधिक लोगों को अस्पताल में भर्ती की सुविधा दी गई। जिस पर 79,157 करोड़ रुपये से अधिक का खर्च आया। यदि लाभार्थियों ने एबी पीएम-जेएवाई के दायरे से बाहर अपने दम पर समान उपचार का लाभ उठाया होता, तो उपचार की कुल लागत लगभग 2 गुना अधिक हो जाती। इस प्रकार, गरीबों और वंचित परिवारों के जेब खर्च से 1.25 लाख करोड़ रुपये से अधिक की बचत हुई। ■

सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम कार्य व्यवस्था पर भारत और यूरोपीय आयोग के बीच समझौता ज्ञापन को मिली मंजूरी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल को 18 जनवरी को ईयू-भारत व्यापार एवं प्रौद्योगिकी परिषद् (टीटीसी) के तहत सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम, इसकी आपूर्ति शृंखला एवं नवाचार पर कार्य व्यवस्था को लेकर भारत सरकार और यूरोपीय आयोग के बीच 21 नवंबर, 2023 को हस्ताक्षर किए गए समझौता ज्ञापन (एमओयू) से अवगत कराया गया।

इस एमओयू का उद्देश्य उद्योगों और डिजिटल प्रौद्योगिकियों की उन्नति के लिए सेमीकंडक्टर को बढ़ाने की दिशा में भारत और यूरोपीय संघ के बीच सहयोग को मजबूत करना है।

यह समझौता ज्ञापन हस्ताक्षर की तारीख यानी 21 नवंबर, 2023 से प्रभावी होगा। यह समझौता तब तक जारी रहेगा जब तक कि दोनों पक्ष यह पुष्टि नहीं कर लेते कि इस उपकरण के उद्देश्यों को प्राप्त कर लिया गया है या जब तक एक पक्ष इस समझौते में अपनी भागीदारी बंद नहीं कर देता। ■

आठ करोड़ ग्राहकों तक पहुंचा इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक

केंद्रीय संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा 15 जनवरी को जारी एक बयान के अनुसार इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक (आईपीपीबी) ने एक महत्वपूर्ण उपलब्धि प्राप्त की है। इसकी अभिनव और समावेशी वित्तीय सेवाओं से लाभान्वित होने वाले ग्राहकों की संख्या अब आठ करोड़ हो गई है।

आईपीपीबी अपनी स्थापना के बाद से देश के हर हिस्से में सुलभ और सस्ती बैंकिंग सेवाएं प्रदान करने के लिए समर्पित रहा है। आठ करोड़ ग्राहकों तक पहुंचने की यह उल्लेखनीय उपलब्धि भारत के लोगों की ओर से आईपीपीबी पर विश्वास को दिखाती है। इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक की स्थापना वित्तीय सेवाओं की कमी को दूर करने, वंचित जनसंख्या को सशक्त बनाने और पारंपरिक व डिजिटल बैंकिंग सेवाओं के संयोजन के माध्यम से वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने के लिए एक रणनीतिक कदम था।

आईपीपीबी ने वित्तीय समावेशन के लिए प्रतिबद्धता के साथ आबादी के विभिन्न वर्गों के लोगों को सशक्त बनाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इनमें सुदूर और वंचित क्षेत्रों में रहने वाले लोग भी शामिल हैं। ■

उत्पादन संबद्ध प्रोत्साहन (पीएलआई) योजनाओं में नवंबर, 2023 तक 1.03 लाख करोड़ रुपये से अधिक का निवेश हुआ

अब तक 3 लाख करोड़ रुपये से अधिक के अनुमानित निवेश के साथ 14 क्षेत्रों में 746 आवेदन स्वीकृत किए गए हैं

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय द्वारा 17 जनवरी को जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार उत्पादन संबद्ध प्रोत्साहन (पीएलआई) योजनाओं में नवंबर, 2023 तक 1.03 लाख करोड़ रुपये से अधिक का निवेश किया गया। इससे 8.61 लाख करोड़ रुपये के बराबर उत्पादन/बिक्री हुई है और 6.78 लाख से अधिक रोजगार उत्पन्न (प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष) हुए। पीएलआई योजनाओं में विभिन्न क्षेत्रों के महत्वपूर्ण योगदान के साथ निर्यात 3.20 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया है। इन क्षेत्रों में बृहद् इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण, औषध, खाद्य प्रसंस्करण और दूरसंचार व नेटवर्किंग उत्पाद शामिल हैं।

अब तक 3 लाख करोड़ रुपये से अधिक के अनुमानित निवेश के साथ 14 क्षेत्रों में 746 आवेदन स्वीकृत किए गए हैं। पीएलआई के लाभार्थियों में थोक औषधि, चिकित्सा उपकरण, औषध, दूरसंचार, सफेद सामान, खाद्य प्रसंस्करण, बड़े इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद, वस्त्र और ड्रोन जैसे क्षेत्रों के 176 एमएसएमई हैं। कई एमएसएमई बड़ी कंपनियों के लिए निवेश भागीदार/अनुबंध निर्माता के रूप में काम कर रहे हैं।

> - पीएलआई योजनाओं से 8.61 लाख करोड़ रुपये के बराबर उत्पादन/बिक्री हुई और 6.78 लाख से अधिक रोजगार उत्पन्न हुए
> - पीएलआई योजनाओं के तहत बृहद् इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण, औषध, खाद्य प्रसंस्करण और दूरसंचार व नेटवर्किंग उत्पादों के महत्वपूर्ण योगदान के साथ 3.20 लाख करोड़ रुपये से अधिक का निर्यात हुआ।

8 क्षेत्रों के लिए पीएलआई योजनाओं के तहत लगभग 4,415 करोड़ रुपये की प्रोत्साहन धनराशि वितरित की गई। इनमें बृहद् इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण (एलएसईएम), आईटी हार्डवेयर, थोक औषधि, चिकित्सा उपकरण, औषध, दूरसंचार व नेटवर्किंग उत्पाद, खाद्य प्रसंस्करण और ड्रोन व इसके घटक शामिल हैं।

विभिन्न इलेक्ट्रॉनिक घटकों जैसेकि बैटरी, चार्जर, पीसीबीए, पीसीबी, कैमरा मॉड्यूल, निष्क्रिय घटक और कुछ यांत्रिकी के विनिर्माण को देश में स्थानीयकृत किया गया है। पीएलआई लाभार्थियों की बाजार हिस्सेदारी केवल लगभग 20 फीसदी है। हालांकि, उन्होंने वित्तीय वर्ष 2022-23 के दौरान मोबाइल फोन निर्यात में लगभग 82 फीसदी का योगदान दिया है। वहीं, वित्तीय वर्ष 2020-21 के बाद मोबाइल फोन के उत्पादन में 125 फीसदी से अधिक की बढ़ोतरी हुई है। साथ ही, मोबाइल फोन का निर्यात भी लगभग 4 गुना बढ़ गया है। एलएसईएम के लिए पीएलआई योजना की शुरुआत के बाद से प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) में लगभग 254 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है।

पीएलआई योजना के कारण औषधि क्षेत्र में कच्चे माल के आयात में काफी कमी आई है। भारत में पेनिसिलिन-जी सहित अद्वितीय मध्यवर्ती सामग्री और थोक दवाओं का विनिर्माण किया जा रहा है। इसके अलावा 39 चिकित्सा उपकरणों का उत्पादन शुरू किया गया है।

दूरसंचार क्षेत्र में 60 फीसदी का आयात प्रतिस्थापन प्राप्त किया गया है और वित्तीय वर्ष 2023-24 में पीएलआई लाभार्थी कंपनियों द्वारा दूरसंचार व नेटवर्किंग उत्पादों की बिक्री में आधार वर्ष (वित्त वर्ष 2019-20) की तुलना में 370 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है।

खाद्य प्रसंस्करण के लिए पीएलआई योजना के तहत देश में ही कच्चा माल प्राप्त करने में उल्लेखनीय बढ़ोतरी देखी गई है, जिससे भारतीय किसानों और एमएसएमई की आय पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा है।

भारत के 'आत्मनिर्भर' बनने की सोच को ध्यान में रखते हुए भारत की विनिर्माण क्षमताओं और निर्यात को बढ़ाने के लिए 14 प्रमुख क्षेत्रों [1.97 लाख करोड़ रुपये (26 बिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक) के प्रोत्साहन परिव्यय के साथ] के लिए पीएलआई योजनाएं लागू की जा रही हैं। ■

नवंबर, 2023 में 15 लाख 92 हजार नए श्रमिकों का ईएसआई योजना के अंतर्गत किया गया नामांकन

कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) के अनंतिम पेरोल आंकड़े से यह पता चलता है कि नवंबर, 2023 में 15 लाख 92 हजार नए कर्मचारी ईएसआई योजना में शामिल हुए हैं।

केंद्रीय श्रम और रोजगार मंत्रालय द्वारा 16 जनवरी को जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार नवंबर, 2023 में ईएसआई योजना के तहत लगभग 20 हजार 830 नए प्रतिष्ठान पंजीकृत हुए हैं और उन्हें कर्मचारी राज्य बीमा योजना की सामाजिक सुरक्षा के अंतर्गत लाया गया है। इस प्रकार अधिक श्रमिकों के लिए योजना कवरेज सुनिश्चित किया गया है।

आंकड़ों से यह भी पता चलता है कि देश के युवाओं के लिए अधिक रोजगार सृजित हुए हैं, क्योंकि इस महीने के दौरान शामिल किए गए कुल 15 लाख 92 हजार कर्मचारियों में से 7 लाख 47 हजार कर्मचारी 25 वर्ष तक की आयु वर्ग के हैं अर्थात् इनकी संख्या कुल पंजीकरण का 47 प्रतिशत है। ■

जननायक कर्पूरी ठाकुर जी को श्रद्धांजलि

नरेन्द्र मोदी

हमारे जीवन पर कई लोगों के व्यक्तित्व का प्रभाव रहता है। जिन लोगों से हम मिलते हैं, हम जिनके संपर्क में रहते हैं, उनकी बातों का प्रभाव पड़ना स्वाभाविक है। लेकिन कुछ ऐसे व्यक्ति भी होते हैं जिनके बारे में सुनकर ही आप उनसे प्रभावित हो जाते हैं। मेरे लिए ऐसे ही रहे हैं जननायक कर्पूरी ठाकुर।

आज कर्पूरी बाबू की 100वीं जन्म-जयंती है। मुझे कर्पूरी जी से कभी मिलने का अवसर तो नहीं मिला, लेकिन उनके साथ बेहद करीब से काम करने वाले कैलाशपति मिश्र जी से मैंने उनके बारे में बहुत कुछ सुना है। सामाजिक न्याय के लिए कर्पूरी बाबू ने जो प्रयास किए, उससे करोड़ों लोगों के जीवन में बड़ा बदलाव आया। उनका संबंध नाई समाज, यानी समाज के अति पिछड़े वर्ग से था। अनेक चुनौतियों को पार करते हुए उन्होंने कई उपलब्धियों को हासिल किया और जीवनभर समाज के उत्थान के लिए काम करते रहे।

जननायक कर्पूरी ठाकुर जी का पूरा जीवन सादगी और सामाजिक न्याय के लिए समर्पित रहा। वे अपनी अंतिम सांस तक सरल जीवनशैली और विनम्र स्वभाव के चलते आम लोगों से गहराई से जुड़े रहे। उनसे जुड़े ऐसे कई किस्से हैं, जो उनकी सादगी की मिसाल हैं।

उनके साथ काम करने वाले लोग याद करते हैं कि कैसे वे इस बात पर जोर देते थे कि उनके किसी भी व्यक्तिगत कार्य में सरकार का एक पैसा भी इस्तेमाल ना हो। ऐसा ही एक वाकया बिहार में उनके सीएम रहने के दौरान हुआ। तब राज्य के नेताओं के लिए एक कॉलोनी बनाने का निर्णय हुआ था, लेकिन उन्होंने अपने लिए कोई जमीन नहीं ली। जब भी उनसे पूछा जाता कि आप जमीन क्यों नहीं ले रहे हैं, तो वे बस विनम्रता से हाथ जोड़ लेते। 1988 में जब उनका निधन हुआ तो कई नेता श्रद्धांजलि

जननायक कर्पूरी ठाकुर जी का पूरा जीवन सादगी और सामाजिक न्याय के लिए समर्पित रहा। वे अपनी अंतिम सांस तक सरल जीवनशैली और विनम्र स्वभाव के चलते आम लोगों से गहराई से जुड़े रहे। उनसे जुड़े ऐसे कई किस्से हैं, जो उनकी सादगी की मिसाल हैं

देने उनके गांव गए। कर्पूरी जी के घर की हालत देखकर उनकी आंखों में आंसू आ गए कि इतने ऊंचे पद पर रहे व्यक्ति का घर इतना साधारण कैसे हो सकता है!

कर्पूरी बाबू की सादगी का एक और लोकप्रिय किस्सा 1977 का है, जब वे बिहार के सीएम बने थे। तब केंद्र और बिहार में जनता सरकार सत्ता में थी। उस समय जनता पार्टी के नेता लोकनायक जयप्रकाश नारायण यानी जेपी के जन्मदिन के लिए कई नेता पटना में इकट्ठा हुए। उसमें शामिल मुख्यमंत्री कर्पूरी बाबू का कुर्ता फटा हुआ था। ऐसे में चंद्रशेखर जी ने अपने अनूठे अंदाज में लोगों से कुछ पैसे दान करने की अपील की, ताकि कर्पूरी जी नया कुर्ता खरीद सकें। लेकिन कर्पूरी जी तो कर्पूरी जी थे। उन्होंने इसमें भी एक मिसाल कायम कर दी। उन्होंने पैसा तो स्वीकार कर लिया, लेकिन उसे मुख्यमंत्री राहत कोष में दान कर दिया।

सामाजिक न्याय तो जननायक कर्पूरी ठाकुर जी के मन में रचा-बसा था। उनके राजनीतिक जीवन को एक ऐसे समाज के निर्माण के प्रयासों के लिए जाना जाता है, जहां सभी लोगों तक संसाधनों का समान रूप से वितरण हो और सामाजिक हैसियत की परवाह किए बिना उन्हें अवसरों का लाभ मिले। उनके प्रयासों का उद्देश्य भारतीय समाज में पैठ बना चुकी कई असमानताओं को दूर करना भी था।

अपने आदर्शों के लिए कर्पूरी ठाकुर जी की प्रतिबद्धता ऐसी थी कि उस कालखंड में भी जब सब ओर कांग्रेस का राज था, उन्होंने कांग्रेस विरोधी लाइन पर चलने का फैसला किया। क्योंकि उन्हें काफी पहले ही इस बात का अंदाजा हो गया था कि कांग्रेस अपने बुनियादी सिद्धांतों से भटक गई है।

कर्पूरी ठाकुर जी की चुनावी यात्रा 1950 के दशक के प्रारंभिक वर्षों में शुरू हुई और यहीं से वे राज्य के सदन में एक ताकतवर नेता के रूप में उभरे। वे श्रमिक वर्ग, मजदूर, छोटे किसानों और युवाओं के संघर्ष की सशक्त आवाज बने। शिक्षा एक ऐसा विषय था, जो कर्पूरी जी के हृदय के सबसे करीब था। उन्होंने अपने

वर्गों को भी वो प्रतिनिधित्व और अवसर जरूर दिए जाएंगे, जिनके वे हकदार थे। हालांकि उनके इस कदम का काफी विरोध हुआ, लेकिन वे किसी भी दबाव के आगे झुके नहीं। उनके नेतृत्व में ऐसी नीतियों को लागू किया गया, जिनसे एक ऐसे समावेशी समाज की मजबूत नींव पड़ी, जहां किसी के जन्म से उसके भाग्य का निर्धारण नहीं होता हो। वे समाज के सबसे पिछड़े वर्ग से थे, लेकिन काम उन्होंने सभी वर्गों के लिए किया। उनमें किसी के प्रति रत्तीभर भी कड़वाहट नहीं थी और यही तो उन्हें महानता की श्रेणी में ले आता है।

पूरे राजनीतिक जीवन में गरीबों को शिक्षा मुहैया कराने में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ी। वे स्थानीय भाषाओं में शिक्षा देने के बहुत बड़े पैरोकार थे, ताकि गांवों और छोटे शहरों के लोग भी अच्छी शिक्षा प्राप्त करें और सफलता की सीढ़ियां चढ़ें। मुख्यमंत्री रहते हुए उन्होंने बुजुर्ग नागरिकों के कल्याण के लिए भी कई अहम कदम उठाए।

शिक्षा एक ऐसा विषय था, जो कर्पूरी जी के हृदय के सबसे करीब था। उन्होंने अपने पूरे राजनीतिक जीवन में गरीबों को शिक्षा मुहैया कराने में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ी। वे स्थानीय भाषाओं में शिक्षा देने के बहुत बड़े पैरोकार थे, ताकि गांवों और छोटे शहरों के लोग भी अच्छी शिक्षा प्राप्त करें और सफलता की सीढ़ियां चढ़ें

Democracy, Debate और Discussion तो कर्पूरी जी के व्यक्तित्व का अभिन्न हिस्सा था। लोकतंत्र के लिए उनका समर्पण भाव, भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान ही दिख गया था, जिसमें उन्होंने अपने-आप को झोंक दिया। उन्होंने देश पर जबरन थोपे गए आपातकाल का भी पुरजोर विरोध किया था। जेपी, डॉ. लोहिया और चरण सिंह जी जैसी विभूतियां भी उनसे काफी प्रभावित हुई थीं।

समाज के पिछड़े और वंचित वर्गों को सशक्त बनाने के लिए जननायक कर्पूरी ठाकुर जी ने एक ठोस कार्ययोजना बनाई थी। यह सही तरीके से आगे बढ़े, इसके लिए पूरा एक तंत्र तैयार किया था। यह उनके सबसे प्रमुख योगदानों में से एक है। उन्हें उम्मीद थी कि एक ना एक दिन इन

हमारी सरकार निरंतर जननायक कर्पूरी ठाकुर जी से प्रेरणा लेते हुए काम कर रही है। यह हमारी नीतियों और योजनाओं में भी दिखाई देता है, जिससे देशभर में सकारात्मक बदलाव आया है। भारतीय राजनीति की सबसे बड़ी त्रासदी यह रही थी कि कर्पूरी जी जैसे कुछ नेताओं को छोड़कर सामाजिक न्याय की बात बस एक राजनीतिक नारा बनकर रह गई थी। कर्पूरी जी के विजन से प्रेरित होकर हमने इसे एक प्रभावी गवर्नेंस मॉडल के रूप में लागू किया। मैं विश्वास और गर्व के साथ कह सकता हूं कि भारत के 25 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकालने की उपलब्धि पर आज जननायक कर्पूरी जी जरूर गौरवान्वित होते। गरीबी से बाहर निकलने वालों में समाज के सबसे पिछड़े तबके के लोग सबसे ज्यादा हैं, जो आजादी के 70 साल बाद भी बुनियादी सुविधाओं से वंचित थे।

हम आज सैचुरेशन के लिए प्रयास कर रहे हैं, ताकि प्रत्येक योजना का लाभ, शत प्रतिशत लाभार्थियों को मिले। इस दिशा में हमारे प्रयास सामाजिक न्याय के प्रति सरकार के संकल्प को दिखाते हैं। आज जब मुद्रा लोन से OBC, SC और ST समुदाय के लोग उद्यमी बन रहे हैं, तो यह कर्पूरी ठाकुर जी के आर्थिक स्वतंत्रता के सपनों को पूरा कर रहा है। इसी तरह यह हमारी सरकार है, जिसने SC, ST और OBC Reservation का दायरा बढ़ाया है। हमें ओबीसी आयोग (दुःख की बात है कि कांग्रेस ने इसका विरोध किया था) की स्थापना करने का भी अवसर प्राप्त हुआ, जो कि कर्पूरी जी के दिखाए रास्ते पर काम कर रहा है। कुछ समय पहले शुरू की गई पीएम-विश्वकर्मा योजना भी देश में ओबीसी समुदाय के करोड़ों लोगों के लिए समृद्धि के नए रास्ते बनाएगी।

पिछड़े वर्ग से ताल्लुक रखने वाले एक व्यक्ति के रूप में मुझे जननायक कर्पूरी ठाकुर जी के जीवन से बहुत कुछ सीखने को मिला है। मेरे जैसे अनेक लोगों के जीवन में कर्पूरी बाबू का प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष योगदान रहा है। इसके लिए मैं उनका सदैव आभारी रहूंगा। दुर्भाग्यवश, हमने कर्पूरी ठाकुर जी को 64 वर्ष की आयु में ही खो दिया। हमने उन्हें तब खोया, जब देश को उनकी सबसे अधिक जरूरत थी। आज भले ही वे हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन जन-कल्याण के अपने कार्यों की वजह से करोड़ों देशवासियों के दिल और दिमाग में जीवित हैं। वे एक सच्चे जननायक थे। ■

(लेखक भारत के प्रधानमंत्री हैं)

बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री कर्पूरी ठाकुर को मिला 'भारत रत्न' सम्मान

बिहार के दो बार मुख्यमंत्री रहे श्री कर्पूरी ठाकुर को मरणोपरांत देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'भारत रत्न' के लिए चुना गया है। राष्ट्रपति भवन ने 23 जनवरी को उनकी जन्म शताब्दी की पूर्वसंध्या पर यह घोषणा की। स्वतंत्रता सेनानी, शिक्षक और राजनीतिज्ञ श्री ठाकुर दिसंबर, 1970 से जून, 1971 तक और दिसंबर, 1977 से अप्रैल, 1979 तक दो बार बिहार के मुख्यमंत्री रहे। उनका 17 फरवरी, 1988 को निधन हो गया था।

सामाजिक न्याय के पुरोधा श्री ठाकुर का जन्म 24 जनवरी, 1924 को हुआ था। उन्होंने भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के लिए कॉलेज की पढ़ाई छोड़ दी थी और उन्हें 1942 से 1945 के दौरान 'भारत छोड़ो आंदोलन' में शामिल होने के लिए गिरफ्तार किया गया था।

प्रधानमंत्री ने श्री कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न दिये जाने के निर्णय पर प्रसन्नता व्यक्त की

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने सामाजिक न्याय के प्रणेता श्री कर्पूरी ठाकुर को मरणोपरांत भारत रत्न दिये जाने के निर्णय पर प्रसन्नता व्यक्त की। श्री मोदी ने कहा कि कर्पूरी ठाकुर की जन्म-शताब्दी के अवसर पर यह निर्णय देशवासियों को गौरवान्वित करेगा। पिछड़ों और वंचितों के उत्थान के लिए उनकी अटूट प्रतिबद्धता और दूरदर्शी नेतृत्व ने भारत के सामाजिक-राजनीतिक परिदृश्य पर एक अमिट छाप छोड़ी है।

प्रधानमंत्री ने 'एक्स' पर पोस्ट किया है, "मुझे इस बात की बहुत प्रसन्नता हो रही है कि भारत सरकार ने सामाजिक न्याय के पुरोधा महान जननायक कर्पूरी ठाकुर जी को भारत रत्न से सम्मानित करने का निर्णय लिया है। उनकी जन्म-शताब्दी के अवसर पर यह निर्णय देशवासियों को गौरवान्वित करने वाला है।"

श्री मोदी ने कहा कि पिछड़ों और वंचितों के उत्थान के लिए कर्पूरी जी की अटूट प्रतिबद्धता और दूरदर्शी नेतृत्व ने भारत के सामाजिक-राजनीतिक परिदृश्य पर अमिट छाप छोड़ी है। यह भारत रत्न न केवल उनके अतुलनीय योगदान का विनम्र सम्मान है, बल्कि इससे समाज में समरसता को और बढ़ावा मिलेगा।

जननायक कर्पूरी ठाकुर जी को भारत रत्न से सम्मानित करने का मतलब हर गरीब एवं वंचित सम्मानित : जगत प्रकाश नड्डा

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने मोदी सरकार द्वारा जननायक कर्पूरी ठाकुर जी को भारत रत्न से सम्मानित किए जाने के निर्णय की सराहना की है।

श्री नड्डा ने कहा कि एक अत्यंत गरीब परिवार से निकलकर बिहार के मुख्यमंत्री पद को सुशोभित करने वाले, सामाजिक न्याय की लड़ाई लड़ने वाले, जननायक श्री कर्पूरी ठाकुर जी को आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा देश के सर्वोच्च सम्मान भारत रत्न से सम्मानित करने के निर्णय की जितनी भी सराहना की जाए, वह कम है। जननायक कर्पूरी ठाकुर जी को भारत रत्न से सम्मानित करने का मतलब प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने देश के हर गरीब और वंचित को सम्मानित किया है, जो सराहनीय है।

उन्होंने कहा कि जननायक कर्पूरी ठाकुर जी का जीवन हमेशा सामाजिक न्याय के लिए समर्पित रहा है और उसके लिए उन्होंने परिश्रम की पराकाष्ठा की। उन्होंने गरीबों को न्याय दिलाने के लिए अपना पूरा जीवन लगा दिया। इसके लिए उन्होंने कभी भी अपने सिद्धांतों के साथ समझौता नहीं किया। वे पूरी जिंदगी कांग्रेस की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ लड़ते रहे। आपातकाल में भी उन्होंने जमकर लड़ाई लड़ी।

श्री नड्डा ने कहा कि भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा किये गए प्रंशसनीय और सराहनीय कार्यों के लिए और सामाजिक न्याय के लिए करोड़ों लोगों की तरफ से मैं उनका हार्दिक अभिवादन करता हूं एवं उनके प्रति आभार व्यक्त करता हूं। पिछले दस सालों में प्रधानमंत्रीजी ने सामाजिक न्याय और गरीब कल्याण के लिए जो कार्य किये हैं, वो ऐतिहासिक है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के लिए सामाजिक न्याय एक दृढ़ संकल्प है। उन्होंने गरीबों, पिछड़ों, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, महिला, युवा, किसान के कल्याण और विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए कार्य किया है, उनके प्रयासों की मैं हृदय की गहराइयों से सराहना करता हूं।

उन्होंने कहा कि आजादी के बाद देश में पहली बार श्री नरेन्द्र मोदी जी ऐसे प्रधानमंत्री हुए हैं जिन्होंने पिछड़ा आयोग को संवैधानिक दर्जा दिया, जिनकी सरकार में 27 से ज्यादा पिछड़े वर्ग के मंत्री बनाए। हमारी पार्टी के 100 से अधिक पिछड़े वर्ग के सांसद हैं, 300 से अधिक अधिक पिछड़े वर्ग के विधायक हैं और 65 से ज्यादा विधान परिषद् सदस्य हैं। ये आंकड़े बताते हैं कि राजनीति में सामाजिक न्याय के लिए पिछड़े वर्ग को सबसे अधिक पहचान और सम्मान प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने दी है।

श्री नड्डा ने कहा कि जननायक कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न से सम्मानित करने के निर्णय के लिए मैं पुनः प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का अभिवादन करता हूं और उन्हें धन्यवाद देता हूं। सामाजिक न्याय की लड़ाई लड़ने वाले इस निर्णय को सदैव याद रखेंगे। ■

मोदी स्टोरी

राम मंदिर: मंदिर निर्माण के दौरान प्रधानमंत्री मोदीजी के सुझाव

भारत एक ऐतिहासिक घटना का गवाह बना जब अयोध्या में भव्य राम मंदिर के गर्भगृह में श्रीरामलला की प्राण-प्रतिष्ठा की गई। इस शुभ अवसर पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी भी उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी राम मंदिर के हर पहलू से करीब से जुड़े रहे। श्रीराम मंदिर निर्माण शुरू होने के बाद से ही श्री मोदी ने इससे जुड़े विभिन्न पहलुओं पर अपने बहुमूल्य सुझाव दिये। हम उन कुछ सुझावों की बात कर रहे हैं, जो प्रधानमंत्री श्री मोदी ने श्रीराम मंदिर के निर्माण के दौरान दिए थे।

हजारों वर्षों तक कायम रहने वाला निर्माण

श्रीराम मंदिर सरयू नदी के तट पर स्थित है जिसकी भूमि रेतीली है। ऐसे में मंदिर की नींव को लेकर चर्चा हुई। श्री मोदी ने सुझाव दिया कि निर्माण ऐसा हो, जिससे हजारों वर्षों तक मंदिर की भूमि मजबूत बनी रहे। इस निर्माण में लोहे का उपयोग नहीं किया गया क्योंकि इसकी आयु 100 वर्ष होती है, यहां तक कि सीमेंट की आयु भी केवल 250-300 वर्ष होती है। ऐसी स्थिति में प्रधानमंत्री श्री मोदी के मार्गदर्शन में तकनीकी समाधान खोजने के लिए विशेषज्ञों की एक समिति का गठन किया गया। इस समिति की सिफारिश के आधार पर यह निर्णय लिया गया कि नीचे सामग्री की कई परतें भरी जाएंगी और फिर राम मंदिर की नींव में ग्रेनाइट बेस का उपयोग किया जाएगा, ताकि यह मंदिर कम से कम हजार वर्षों तक टिका रह सके।

भारतीय मंदिर वास्तुकला शैलियों का प्रदर्शन

श्री मोदी का विचार था कि अयोध्या आने वाले भक्तों को भारत के सभी मंदिरों की विभिन्न वास्तुकला शैलियों की झलक मिल सके, इसलिए एक संग्रहालय को भी श्रीराम मंदिर योजना का हिस्सा बनाया गया।

रामनवमी पर सूर्य तिलक करें

श्री राम सूर्यवंशी थे, इसलिए प्रधानमंत्री ने श्रीराम मंदिर का निर्माण इस तरह से करने का सुझाव दिया कि रामनवमी के दिन सूर्य की किरणें रामलला को 'सूर्य तिलक' करें। प्रधानमंत्री श्री मोदी के सुझाव पर सीएसआईआर ने खोजबीन की और उन्हें सफलता मिली। अब हर रामनवमी पर श्रीरामलला को सूर्य की किरणें 'सूर्य तिलक' करेंगी।

सप्त मंडपम

श्री राम का जीवन सामाजिक समरसता का प्रतीक है और यह श्रीराम मंदिर में प्रतिबिंबित होना चाहिए। इस दिशा में प्रधानमंत्री ने उन सभी लोगों को प्रमुखता से महत्व देने का विचार प्रस्तावित किया जो श्री राम के जीवन का अभिन्न अंग थे। इसलिए वाल्मिकी, वशिष्ठ जैसे ऋषियों और शबरी, निषादराज, जटायु, अहिल्या और कई अन्य के लिए एक समर्पित स्थानों को मंदिर परिसर में 'सप्त मंडपम' के रूप में शामिल किया गया।

गर्भगृह की पवित्रता

प्रधानमंत्री श्री मोदी के विचारों को राम मंदिर के सभी पहलुओं को शामिल किया गया। उन्होंने श्रीराम मंदिर के गर्भगृह की पवित्रता के बारे में बात की। श्री रामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के सदस्य स्वामी गोविंददेव गिरि याद करते हैं कि प्रधानमंत्री ने सोमनाथ मंदिर के प्रारूप को अपनाने का सुझाव दिया था, जहां केवल पुजारियों को गर्भ गृह के अंदर जाने की अनुमति है। यह गर्भ गृह की पवित्रता बनाए रखने में मदद करता है।

मंदिर निर्माण में समुदाय की भागीदारी

श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के ट्रस्टी याद करते हैं कि प्रधानमंत्री श्री मोदी का हमेशा से यह विचार रहा है कि मंदिर के निर्माण में देश के सभी लोगों को शामिल किया जाना चाहिए। इस प्रकार, मंदिर का निर्माण देश भर के लोगों के योगदान से किया गया।

दिव्यांगों के लिए सुविधाएं

राम लला के दर्शन के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु श्रीराम मंदिर पहुंचेंगे। ऐसे में श्रद्धालुओं, खासकर दिव्यांगों के लिए उचित व्यवस्था होनी चाहिए। उन्हें ज्यादा देर तक इंतजार न कराया जाए और रामलला के दर्शन की सुविधा दी जाए। यह विचार भी प्रधानमंत्री श्री मोदी ने श्रीराम मंदिर निर्माण की शुरुआत में प्रस्तावित किया था। ■

प्रधानमंत्री ने बेंगलुरु में नए अत्याधुनिक बोइंग इंडिया इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी सेंटर के परिसर का किया उद्घाटन

भारत में 15 प्रतिशत पायलट महिलाएं हैं, जो वैश्विक औसत से 3 गुना अधिक है

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 19 जनवरी को कर्नाटक के बेंगलुरु में नए अत्याधुनिक बोइंग इंडिया इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी सेंटर के परिसर का उद्घाटन किया। 1,600 करोड़ रुपये के निवेश से निर्मित 43 एकड़ का यह परिसर अमेरिका के बाहर बोइंग का इस प्रकार का सबसे बड़ा निवेश है। प्रधानमंत्री ने बोइंग सुकन्या कार्यक्रम का भी शुभारंभ किया, जिसका उद्देश्य देश के बढ़ते विमानन क्षेत्र में देश भर से और अधिक बालिकाओं के प्रवेश में सहायता देना है।

अपने संबोधन में श्री मोदी ने कहा कि बेंगलुरु एक ऐसा शहर है, जो आकांक्षाओं को नवाचारों और उपलब्धियों से तथा भारत की तकनीकी क्षमता को वैश्विक मांग से जोड़ता है। प्रधानमंत्री ने इस नव उद्घाटित परिसर के अमेरिका से बाहर बोइंग की सबसे बड़ी सुविधा होने की जानकारी देते हुए कहा, "बोइंग का यह नया प्रौद्योगिकी परिसर इसी विश्वास को मजबूत करने वाला है।" उन्होंने इस बात को रेखांकित किया कि इसका पैमाना और परिमाण न केवल भारत, बल्कि दुनिया भर के विमानन बाजार को भी मजबूती प्रदान करेगा।

श्री मोदी ने कहा कि यह सुविधा अंतरराष्ट्रीय प्रौद्योगिकी, अनुसंधान और नवाचार, डिजाइन और मांग को आगे बढ़ाने की दिशा में भारत की प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करती है। उन्होंने कहा, "यह परिसर 'मेक इन इंडिया-मेक फॉर द वर्ल्ड' के संकल्प को सशक्त करता है।" श्री मोदी ने कहा, "यह परिसर भारत की प्रतिभा में दुनिया के भरोसे को मजबूत करेगा।" उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि एक दिन भारत इस सुविधा में भविष्य के विमान डिजाइन करेगा।

कर्नाटक में पिछले साल एशिया की सबसे बड़ी हेलीकॉप्टर निर्माण फैक्ट्री के उद्घाटन को याद करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि बोइंग की यह नई सुविधा कर्नाटक के एक नए विमानन केंद्र के रूप में उदय का स्पष्ट संकेत है। उन्होंने विशेष रूप से भारत के युवाओं को बधाई दी, जिनके पास अब विमानन उद्योग में नए कौशल हासिल करने के अनेक अवसर होंगे।

श्री मोदी ने बताया कि भारत में 15 प्रतिशत पायलट महिलाएं हैं, जो वैश्विक औसत से 3 गुना अधिक है। बोइंग सुकन्या कार्यक्रम का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि यह विमानन क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी को बढ़ावा देगा, साथ ही दूर-दराज के इलाकों में रहने वाले गरीबों को पायलट बनने के उनके सपने को साकार करने में मदद करेगा। श्री मोदी ने बताया कि इस कार्यक्रम के तहत पायलट के रूप में करियर बनाने के लिए सरकारी स्कूलों में करियर कोचिंग और विकास संबंधी सुविधाएं प्रदान की जाएंगी। ■

कमल पुष्प सेवा, समर्पण, त्याग, संघर्ष एवं बलिदान

गोपाल राव टैगोर

जन्म: 15 अप्रैल, 1912
सक्रिय वर्ष: 1952-1979
जिला: विजयवाड़ा, आंध्र प्रदेश

श्री गोपाल राव टैगोर वर्ष 1940 में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के साथ प्रचारक के रूप में जुड़े। विजयवाड़ा उनका कार्यक्षेत्र रहा। गोपाल राव जी ने राज्य में संघ का विस्तार करने के लिए कड़ी मेहनत की और ऐसा करते समय उन्हें विभिन्न समस्याओं का सामना करना पड़ा।

बाद के वर्षों में वह जनसंघ में शामिल हो गए और इसके विस्तार के लिए काम किया। 1952-54 के दौरान उन्होंने रायलसीमा क्षेत्र की विस्तृत यात्रा की और सभी वर्ग के लोगों से भेंट की। इस दौरान उन्होंने संभावित नेताओं की पहचान की और आंध्र प्रदेश के कई जिलों में जनसंघ की इकाइयों की स्थापना की। वह जीवन भर अविवाहित रहे और जनसंघ को जमीनी स्तर पर मजबूत करने के लिए उन्होंने स्वयं को समर्पित किया। नए लोगों को पार्टी के साथ जोड़ने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही। उन्होंने अपनी कड़ी मेहनत, सादगी और उदार स्वभाव के माध्यम से जनसंघ की नींव मजबूत की। ■

'विकसित भारत संकल्प यात्रा' सबसे अंतिम व्यक्ति तक पहुंच का सबसे बेहतरीन माध्यमः नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 18 जनवरी को 'विकसित भारत संकल्प यात्रा' के लाभार्थियों से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए बातचीत की। इस कार्यक्रम में देश भर से विकसित भारत संकल्प यात्रा के हजारों लाभार्थी शामिल हुए। इस कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री, सांसद, विधायक और स्थानीय स्तर के प्रतिनिधि भी शामिल हुए।

- 15 नवंबर, 2023 को इस यात्रा की शुरुआत के बाद से प्रधानमंत्री ने देश भर में विकसित भारत संकल्प यात्रा के लाभार्थियों के साथ नियमित रूप से बातचीत की है।
- वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए यह बातचीत पांच बार (30 नवंबर, 9 दिसंबर, 16 दिसंबर, 27 दिसंबर और 8 जनवरी, 2024) हो चुकी है।
- इसके अलावा, श्री मोदी ने पिछले महीने अपनी वाराणसी यात्रा के दौरान लगातार दो दिन (17-18 दिसंबर) विकसित भारत संकल्प यात्रा के लाभार्थियों से आमने-सामने बातचीत की थी।
- विकसित भारत संकल्प यात्रा में भाग लेने वालों की संख्या 15 करोड़ से अधिक हो चुकी है। यह जमीनी स्तर पर गहरा प्रभाव उत्पन्न करने में यात्रा की सफलता का प्रमाण है, जो देश भर के लोगों को विकसित भारत के साझा विजन के प्रति एकजुट कर रही है।

इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने विकसित भारत संकल्प यात्रा के दो महीने पूरे होने का उल्लेख करते हुए कहा, "यात्रा का विकास रथ, विश्वास रथ में बदल चुका है और यह विश्वास है कि कोई भी पीछे नहीं छूटेगा।" लाभार्थियों के बीच भारी उत्साह और मांग को ध्यान में रखते हुए श्री मोदी ने संबंधित अधिकारियों को वीबीएसवाई को 26 जनवरी से आगे फरवरी तक बढ़ाने का निर्देश दिया है।

वीबीएसवाई को लास्ट माइल डिलीवरी का सबसे बेहतरीन माध्यम बताते हुए प्रधानमंत्री ने सूचित किया कि यात्रा के दौरान 4 करोड़ से अधिक स्वास्थ्य जांच की गईं और 2.5 करोड़ टीबी संबंधी जांच और 50 लाख सिकल सेल एनीमिया संबंधी जांच की गईं। अब तक की यात्रा के दौरान 50 लाख आयुष्मान कार्ड, 33 लाख नए पीएम किसान लाभार्थी, 25 लाख नए किसान क्रेडिट कार्ड, 25 लाख मुफ्त गैस कनेक्शन और 10 लाख नए स्वनिधि आवेदन हासिल किए गए। श्री मोदी ने कहा कि यह संख्या किसी के लिए महज़ आंकड़े हो सकते हैं, लेकिन उनके लिए हर संख्या एक जीवन है। कोई ऐसा है, जो अब तक लाभान्वित होने से वंचित रह गया था।

प्रधानमंत्री ने बहुआयामी गरीबी पर नई रिपोर्ट का उल्लेख किया। श्री मोदी ने कहा कि पिछले 9 साल में सरकार के प्रयासों से 25 करोड़ लोग गरीबी के चंगुल से बाहर आए हैं। उन्होंने कहा, "पिछले 10 वर्षों में हमारी सरकार ने जैसी पारदर्शी व्यवस्था बनाई है, वास्तविक प्रयास किए हैं और जनभागीदारी को बढ़ावा दिया है, उसने असंभव को भी संभव कर दिखाया है।" श्री मोदी ने इस बात को पीएम आवास योजना का उदाहरण देकर समझाया। इस योजना में 4 करोड़ से अधिक गरीब परिवारों को पक्का मकान उपलब्ध कराया गया, जिनमें से 70 प्रतिशत मकान महिलाओं के नाम पर पंजीकृत थे। इससे न केवल गरीबी से निपटा गया, बल्कि महिलाएं भी सशक्त हुईं।

10 करोड़ नई महिलाएं एसएचजी से जुड़ीं

स्वयं सहायता समूह मुहिम को सशक्त बनाने के कदमों के बारे में चर्चा करते हुए प्रधानमंत्री ने इन समूहों को बैंकों के साथ जोड़ने, संपार्श्विक मुक्त ऋण सीमा को 10 लाख से बढ़ाकर 20 लाख रुपये करने के प्रयासों का उल्लेख किया, जिसके परिणामस्वरूप 10 करोड़ नई महिलाएं एसएचजी से जुड़ीं। उन्हें नए कारोबार के लिए 8 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा की मदद मिली। श्री मोदी ने 3 करोड़ महिलाओं को महिला किसान के रूप में सशक्त बनाने और 2 करोड़ लखपति दीदी बनाने की योजना और नमो ड्रोन दीदी योजना का भी जिक्र किया। उन्होंने इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त की कि एक हजार से अधिक नमो ड्रोन दीदियों ने प्रशिक्षण पूरा कर लिया है। ■

प्रधानमंत्री ने आंध्र प्रदेश में राष्ट्रीय सीमा शुल्क, अप्रत्यक्ष कर और नारकोटिक्स अकादमी के नए परिसर का किया उद्घाटन

अब तक 3 लाख करोड़ रुपये से अधिक के अनुमानित निवेश के साथ 14 क्षेत्रों में 746 आवेदन स्वीकृत किए गए हैं

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 16 जनवरी को आंध्र प्रदेश में श्री सत्य साईं जिले के पलासमुद्रम में राष्ट्रीय सीमा शुल्क, अप्रत्यक्ष कर और नारकोटिक्स अकादमी के नए परिसर का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। प्रधानमंत्री ने भारतीय राजस्व सेवा (सीमा शुल्क और अप्रत्यक्ष कर) के 74वें और 75वें बैच के अधिकारी प्रशिक्षुओं के साथ ही भूटान की रॉयल सिविल सेवा के अधिकारी प्रशिक्षुओं से भी बातचीत की।

श्री मोदी ने इस अवसर पर उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए पलासमुद्रम में राष्ट्रीय सीमा शुल्क, अप्रत्यक्ष कर और नारकोटिक्स अकादमी के उद्घाटन के लिए सभी को बधाई दी। उन्होंने पुट्टपर्थी में श्री सत्य साईं बाबा के जन्मस्थान, महान स्वतंत्रता सेनानी पद्म श्री कल्लूर सुब्बा राव, प्रसिद्ध कठपुतली कलाकार दलवई चलपति राव और गौरवशाली विजयनगर साम्राज्य के सुशासन को प्रेरणा स्रोत के रूप में उल्लेख किया।

आज तिरुवल्लुवर दिवस को ध्यान में रखते हुए श्री मोदी ने महान तमिल संत को उद्धृत किया और करों को इकट्ठा करने में राजस्व अधिकारियों की भूमिका को रेखांकित किया, जिससे लोकतंत्र में लोगों का कल्याण होता है।

प्रधानमंत्री ने रंगनाथ रामायण की चौपाइयां सुनीं

श्री मोदी इससे पहले लेपाक्षी में वीरभद्र मंदिर गए और रंगनाथ रामायण की चौपाइयां सुनीं। प्रधानमंत्री ने भक्तों के साथ भजन कीर्तन में हिस्सा लिया। इस मान्यता को ध्यान में रखते हुए कि राम जटायु संवाद नजदीक में ही हुआ था, श्री मोदी ने कहा कि वह अयोध्या धाम में मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा से पहले 11 दिवसीय विशेष अनुष्ठान कर रहे हैं। उन्होंने इस पवित्र अवधि के दौरान मंदिर में आशीर्वाद के लिए आभार व्यक्त किया।

देश में व्याप्त राम भक्ति के माहौल को स्वीकार करते हुए श्री मोदी ने कहा कि श्री राम की प्रेरणा भक्ति से परे है। उन्होंने कहा कि श्री राम सुशासन के इतने बड़े प्रतीक हैं कि वे एनएसीआईएन के लिए भी बहुत बड़ी प्रेरणा हो सकते हैं। ■

सरकार कोच्चि जैसे बंदरगाह शहरों की शक्ति को बेहतर बनाने में जुटी है: प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 17 जनवरी को कोच्चि, केरल में 4,000 करोड़ रुपये से अधिक की तीन प्रमुख अवसंरचना परियोजनाओं का उद्घाटन किया। आज उद्घाटन की गई परियोजनाओं में कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड (सीएसएल) में न्यू ड्राई डॉक (एनडीडी), सीएसएल की अंतरराष्ट्रीय जहाज मरम्मत सुविधा (आईएसआरएफ) और पुथुविपीन, कोच्चि में इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड का एलपीजी आयात टर्मिनल शामिल हैं।

प्रधानमंत्री ने अमृत काल के दौरान भारत को 'विकसित भारत' बनाने की यात्रा में प्रत्येक राज्य की भूमिका पर बल दिया। श्री मोदी ने पहले के समय में भारत की समृद्धि में बंदरगाहों की भूमिका को याद किया और अब बंदरगाहों के लिए एक समान भूमिका की परिकल्पना की, जब भारत नए कदम उठा रहा है और वैश्विक व्यापार का एक प्रमुख केंद्र बन रहा है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि ऐसे में सरकार कोच्चि जैसे बंदरगाह शहरों की शक्ति को बेहतर बनाने में जुटी है। उन्होंने सागरमाला परियोजना के अंतर्गत बंदरगाह क्षमता में वृद्धि, बंदरगाह अवसंरचना में निवेश और बंदरगाहों की बेहतर कनेक्टिविटी की जानकारी दी।

श्री मोदी ने आज कोच्चि को मिले देश के सबसे बड़े ड्राई डॉक का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि जहाज निर्माण, जहाज मरम्मत और एलपीजी आयात टर्मिनल जैसी अन्य परियोजनाएं भी केरल और देश के दक्षिणी क्षेत्र में विकास को गति प्रदान करेंगी। श्री मोदी ने कोच्चि शिपयार्ड के साथ 'मेड इन इंडिया' विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रांत के निर्माण का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि नई सुविधाओं से शिपयार्ड की क्षमताएं कई गुना बढ़ जाएंगी।

श्री मोदी ने पिछले 10 वर्षों में बंदरगाहों, पोत परिवहन और जलमार्ग क्षेत्र में किए गए सुधारों पर प्रकाश डाला और कहा कि इससे भारत के बंदरगाहों में नए निवेश आए हैं और रोजगार के नए अवसर पैदा हुए हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि सबके प्रयास के बेहतर परिणाम सामने आते हैं। उन्होंने बताया कि भारतीय बंदरगाहों ने पिछले 10 वर्षों में दहाई अंकों की वार्षिक वृद्धि हासिल की है। ■

प्रधानमंत्री ने नवी मुंबई में अटल बिहारी वाजपेयी सेवरी-न्हावा शेवा अटल सेतु का किया उद्घाटन

लगभग 17,840 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित अटल सेतु भारत का सबसे लंबा पुल और देश का सबसे लंबा समुद्री पुल भी है

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने नवी मुंबई में 12 जनवरी को अटल बिहारी वाजपेयी सेवरी-न्हावा शेवा अटल सेतु का उद्घाटन किया। श्री मोदी ने फोटो गैलरी और अटल सेतु के प्रदर्शित मॉडल का अवलोकन किया। इसके अलावा श्री मोदी ने महाराष्ट्र के नवी मुंबई में 12,700 करोड़ रुपये से अधिक लागत की कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन, राष्ट्र को समर्पण और शिलान्यास भी किया।

एमटीएचएल अटल सेतु का निर्माण 17,840 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से किया गया है और यह लगभग 21.8 किमी लंबा 6-लेन का पुल है, जिसकी लंबाई समुद्र के ऊपर लगभग 16.5 किमी और जमीन पर लगभग 5.5 किमी है।

प्रधानमंत्री ने एक्स पर पोस्ट किया, "अटल सेतु का उद्घाटन करते हुए खुशी हो रही है, जो हमारे नागरिकों के लिए जीवन की सुगमता को बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह पुल यात्रा के समय को कम करने और कनेक्टिविटी को बढ़ावा देने का वादा करता है, जिससे दैनिक आवागमन आसान हो जाएगा।"

इस अवसर पर अन्य गणमान्य लोगों के अलावा महाराष्ट्र के राज्यपाल श्री रमेश बैस, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री श्री एकनाथ शिंदे और महाराष्ट्र के उप-मुख्यमंत्री श्री देवेन्द्र फड़णवीस एवं श्री अजीत पवार उपस्थित थे।

अटल बिहारी वाजपेयी सेवरी-न्हावा शेवा अटल सेतु

- प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का विजन शहरी परिवहन बुनियादी ढांचे और कनेक्टिविटी को मजबूत करके नागरिकों की 'आवाजाही में सुगमता' में सुधार करना है। इस विजन के अनुरूप मुंबई ट्रांस हार्बर लिंक (एमटीएचएल) का निर्माण किया गया है, जिसे अब 'अटल बिहारी वाजपेयी सेवरी-न्हावा शेवा अटल सेतु' नाम दिया गया है। पुल का शिलान्यास दिसंबर, 2016 में प्रधानमंत्री ने किया था।
- अटल सेतु का निर्माण कुल 17,840 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से किया गया है।
- यह लगभग 21.8 किमी लंबा 6-लेन पुल है, जिसकी लंबाई समुद्र पर लगभग 16.5 किमी और भूमि पर लगभग 5.5 किमी है।
- यह भारत का सबसे लंबा पुल है और भारत का सबसे लंबा समुद्री पुल भी है।
- यह मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे और नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को तेज कनेक्टिविटी प्रदान करेगा और मुंबई से पुणे, गोवा और दक्षिण भारत की यात्रा के समय को भी कम करेगा। इससे मुंबई बंदरगाह और जवाहरलाल नेहरू बंदरगाह के बीच कनेक्टिविटी में भी सुधार होगा। ■

प्रधानमंत्री ने सोलापुर में लगभग 2,000 करोड़ रुपये लागत की आठ अमृत परियोजनाओं की रखी आधारशिला

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 19 जनवरी को महाराष्ट्र के सोलापुर में लगभग 2,000 करोड़ रुपये लागत की आठ अमृत (कायाकल्प और शहरी परिवर्तन के लिए अटल मिशन) परियोजनाओं की आधारशिला रखी। महाराष्ट्र में प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी के अंतर्गत बनाए गए 90,000 से अधिक आवास राष्ट्र को समर्पित किए। सोलापुर में रायनगर हाउसिंग सोसाइटी के 15,000 आवास समर्पित किए गए, जिनके लाभार्थियों में हजारों हथकरघा कामगार, वेंडर, पावरलूम श्रमिक, कचरा बीनने वाले, बीड़ी श्रमिक, ड्राइवर और अन्य शामिल हैं। प्रधानमंत्री ने कार्यक्रम के दौरान महाराष्ट्र में पीएम-स्वनिधि के 10,000 लाभार्थियों को पहली और दूसरी किस्त का वितरण भी शुरू किया।

उपस्थित जनों को संबोधित करते हुए श्री मोदी ने कहा कि 22 जनवरी को अयोध्या-धाम में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा पर संपूर्ण देशवासी भक्ति के रंग में सराबोर हैं। उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त की कि भक्ति की इस बेला में महाराष्ट्र के एक लाख से अधिक परिवार अपना गृह प्रवेश कर रहे हैं।

श्री मोदी ने आज शुभारंभ की गई परियोजनाओं के लिए क्षेत्र और पूरे महाराष्ट्र के लोगों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने महाराष्ट्र के गौरव के लिए महाराष्ट्र निवासियों की कड़ी मेहनत और प्रगतिशील राज्य सरकार के प्रयासों को भी इसका श्रेय दिया।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने नई दिल्ली में सहकारी समितियों के केंद्रीय पंजीयक कार्यालय के नए भवन का किया उद्‌घाटन

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने 17 जनवरी को नई दिल्ली में सहकारी समितियों के केंद्रीय पंजीयक कार्यालय भवन का उद्‌घाटन किया। इस अवसर पर सहकारिता राज्य मंत्री श्री बी.एल. वर्मा; सचिव, सहकारिता मंत्रालय श्री ज्ञानेश कुमार; नेशनल बिल्डिंग कन्स्ट्रक्शन कॉर्पोरेशन के प्रबंध निदेशक और देशभर से बहुराज्यीय सहकारी फेडरेशन, बहुराज्यीय सहकारी समितियों एवं बैंकों के प्रतिनिधि भी उपस्थित थे।

अपने संबोधन में श्री अमित शाह ने कहा कि सहकारी पंजीयक केन्द्रीय कार्यालय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के 'सहकार से समृद्धि' के संकल्प को मजबूत करेगा। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार में नए कानून, नए आफिस और नई पारदर्शी व्यवस्था के साथ सहकारिता क्षेत्र में नए युग की शुरुआत हुई है। मोदी जी द्वारा सहकारिता मंत्रालय के गठन के 2 सालों के बाद आज मल्टीस्टेट कोऑपरेटिव सोसायटी एक्ट में 98वें संशोधन के अनुसार सभी परिवर्तन कर दिए गए हैं।

श्री शाह ने कहा कि मोदी सरकार ने कोऑपरेटिव सोसायटीज़ के संचालन में आने वाली कई प्रकार की विसंगतियों को दूर करने के लिए 2023 में कानून बनाकर पारदर्शी सहकारिता का एक मज़बूत खाका तैयार करने का काम किया है। उन्होंने कहा कि CRCS के कार्यालय का कम्प्यूटराइज़ेशन भी हो चुका है और आज CRCS को नया कार्यालय भी मिल रहा है।

श्री शाह ने कहा कि लगभग 1550 वर्गमीटर क्षेत्र में बने CRCS कार्यालय पर लगभग 175 करोड़ रुपये की लागत आई है। बेहतर कार्य-संस्कृति के लिए कार्यालयों का आधुनिकीकरण और सुचारू व्यवस्था जरूरी है और मल्टीस्टेट कोऑपरेटिव सोसायटीज़ के गवर्नेंस के संबंध में पिछले 2 सालों में उठाए गए कदमों के बाद आज हम एक नए युग की शुरुआत कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि 06 जुलाई, 2021 से अब तक की 2 सालों की यात्रा में बहुत कम समय में सहकारिता मंत्रालय के सभी अधिकारियों ने ये काम किया है। ■

कमल संदेश के आजीवन सदस्य बनें

आज ही लीजिए कमल संदेश की सदस्यता और दीजिए राष्ट्रीय विचार के संवर्धन में अपना योगदान!

सदस्यता प्रपत्र

नाम : ....

पूरा पता : ....

....

.... पिन : ....

दूरभाष : .... मोबाइल : (1)............................. (2)..........................

ईमेल : ....

सदस्यता						
	एक वर्ष	₹350/-	☐	आजीवन सदस्यता (हिन्दी/अंग्रेजी)	₹3000/-	☐
	तीन वर्ष	₹1000/-	☐	आजीवन सदस्यता (हिन्दी+अंग्रेजी)	₹5000/-	☐

(भुगतान विवरण)

चेक/ड्राफ्ट क्र. :................................. दिनांक :.......................... बैंक : ....

नोट : डीडी / चेक '**कमल संदेश**' के नाम देय होगा।
मनी आर्डर और नकद पूरे विवरण के साथ स्वीकार किए जाएंगे।

(हस्ताक्षर)

कमल संदेश

अपना डीडी/चेक निम्न पते पर भेजें

डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास, पीपी-66, सुब्रमण्यम भारती मार्ग, नई दिल्ली-110003

फोन: 011-23381428 फैक्स: 011-23387887 ईमेल: kamalsandesh@yahoo.co.in

संसद के सेंट्रल हॉल में 23 जनवरी, 2024 को नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती के अवसर पर उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

नासिक (महाराष्ट्र) में 12 जनवरी, 2024 को स्वामी विवेकानन्द की जयंती पर उनकी मूर्ति पर पुष्पांजलि अर्पित करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

तमिलनाडु में 21 जनवरी, 2024 को राम सेतु के शुरुआती छोर– अरिचल मुनाई (धनुषकोडी) पर पूजा करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

तिरुचिरापल्ली (तमिलनाडु) में 20 जनवरी, 2024 को श्री रंगनाथस्वामी मंदिर में दर्शन करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

नई दिल्ली में 23 जनवरी, 2024 को 'प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार 2024' के विजेताओं के साथ बातचीत करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

नई दिल्ली में 14 जनवरी, 2024 को पोंगल समारोह में भाग लेते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

@Kamal.Sandesh
@KamalSandesh
kamal.sandesh
KamalSandeshLive

प्रेषण तिथि: (i) 1-2 चालू माह (ii) 16-17 चालू माह
डाकघर: लोदी रोड एचओ., नई दिल्ली **"रजिस्टर्ड"**
36 पृष्ठ कवर सहित
प्रकाशन तिथि: 02 फरवरी, 2024
आर.एन.आई. DELHIN/2006/16953
डी.एल. (एस)-17/3264/2021-23
Licence to Post without Prepayment
Licence No. U(S)-41/2021-23

छायाकार: अजय कुमार सिंह